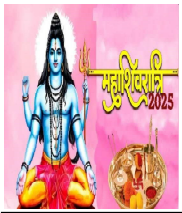


# दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 212 बुधवार 26 फरवरी 2025 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com


## एक नजर

### डा. वी.के. वर्मा ने किया खोया पाया कैम्प का उद्घाटन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। महाशिवरात्रि मेले के मद्देनजर समाचार पत्र वितरक जनकल्याण सेवा समिति बस्ती के अध्यक्ष जय प्रकाश गोस्वामी की ओर से लगाये गये खोया पाया कैम्प का डा. वी.के. वर्मा ने फीता काटकर किया। उन्होने उद्घाटन के उपरान्त क्षेत्रीय गणमान्यों को सम्बोधित करते हुये कहा कि भीड़भाड़ वाले क्षेत्र में खोया पाया शिविर की भूमिका महत्वपूर्ण होती है।

प्रायः भीड़ में लोग अपनों से बिछुड़ जाते हैं और शोर के नाते मोबाइल पर भी संपर्क नही होता या उनके पास मोबइल नही होती है। ऐसे में खोया पाया शिविर के स्वयंसेवक बिछुड़ों को उनके अपनों से मिलाने का काम करते हैं। इसमें क्षेत्रीयजनों का सहयोग रहता है। श्याम प्रकाश शर्मा एडवोकेट ने कहा मेले में अपनों से अलग होने पर सीधे खोया पाया शिविर से संपर्क करना चाहिये। उद्घाटन अवसर पर कार्यक्रम का संचालन डा. रामकृष्ण लाल जगमग ने किया। समाचार पत्र वितरक जनकल्याण सेवा समिति के अध्यक्ष जयप्रकाश गोस्वामी ने कहा जनसहयोग से 34 वर्षों से खोया पाया शिविर का संचालन किया जा रहा है। अब तक अनेक ऐसे अवसर आये जब समिति ने सराहनीय व अनुकरणीय कार्य किया। राजेश गिरि, विजय प्रकाश गोस्वामी, विरेन्द्र चौधरी, शिवप्रकाश चौधरी, सुबाष जायसवाल, प्रिंस शुक्ला, कमलकिशोर शुक्ल, शिवपुजारी गिरि, आदि मौजूद रहे।

### गाजे–बाजे के साथ निकली शिव बारात

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। मंगलवार को जगत का कल्याण करने वाले भगवान् शिव माता पार्वती के मंगलमय पाणिग्रहण के अवसर पर भव्य शिव बारात की शोभायात्रा निकाली गई। भगवान् शिव वेशधारी रथ पर सवार थे और रथ के आगे आगे उनके गण चल रहे थे। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार महाशिवरात्रि के दिन ही भगवान् शिव ने जगत कल्याण के लिए समुद्र मंथन से निकला हलाहल विष गले में रख कर विष के प्रकोप से जगत की रक्षा की थी। इस वर्ष महाशिवरात्रि बुधवार को मनाई जा रही है। इस दिन शिव भक्त आस्था के जल द्वय पंचामृत से भगवॉन आशुतोष का अभिषेक करके उनकी कृपा प्राप्त करते है। भक्त गण शिवलिंग पर फल, दूध, दही, शहद, गिताई, पुष्प, इत्र, भांग आदि अर्पित करते है। इस दिन व्रत एवं रुद्राभिषेक का विशेष महत्व होता है। महाशिवरात्रि के अवसर पर जनपद में हजारों शिवालयो पर मेले लगते हैं।

### स्वैच्छिक रक्तदान शिविर में 14 ने किया ब्लड डोनेशन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। महर्षि वशिष्ठ मेडिकल कॉलेज बस्ती में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर लगा। शिविर का उद्घाटन विभागाध्यक्ष डॉ0 सिद्धार्थ सिन्हा और डॉ0 स्वराज कुमार शर्मा ने किया। शिविर में एमबीबीएस, नर्सिंग, डीएमएलटी कोर्स के छात्र–छात्राओं ने रक्तदान किया। इस मौके पर 14 यूनिट रक्तदान हुआ। डॉ. सिद्धार्थ सिन्हा ने कहा कि अस्पताल में गंभीर बीमारियों से पीड़ित थैलसीमिया, कैंसर और लावरिस मरीजों को रक्त की जरूरत पड़ती है, ऐसे शिविरों से उन्हे काफी मदद मिल जाती है। रक्तदान करने वालों में हरीश कुमार, अनुज दुबे, विशाल यादव, रिया कश्यप, देवेंद्र, शुभदीप, समर प्रीत सिंह, सुमित कुमार, धीरज, निखिल उपाध्याय और उत्तम शुक्ला ने रक्तदान में भाग लिया। डॉ0 अभिषेक शाह, सीनियर लैब टेक्नीशियन वीके प्रसाद, विकास, चंद्रिका, नर्सिंग ऑफिसर अनिल जोगी, काउंसलर गोविंद शुक्ला ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

# कठमुल्लापन की संस्कृति नहीं चलेगी, बच्चों को बना रहे डॉक्टर–इंजीनियर –सीएम योगी

लखनऊ (आभा)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लगातार दूसरे दिन समाजवादी पार्टी पर तीखा हमला किया। सीएम योगी ने विधान परिषद में कहा कि हम बच्चों को मुल्ला मौलवी नही डॉक्टर, इंजीनियर और वैज्ञानिक बनाना चाहते हैं। योगी ने साफ कहा कि कठमुल्लापन की संस्कृति नहीं चलेगी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विधानसभा के बाद विधान परिषद में भी समाजवादी पार्टी पर तीखा हमला बोला। सीएम योगी ने कहा कि समाजवादी पार्टी की मानसिकता संकीर्ण है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार अल्पसंख्यक बच्चों को केवल पारंपरिक मदरसों तक सीमित नहीं रखना चाहती उन्हें मुल्ला और मौलवी बनाने के बजाय डॉक्टर, इंजीनियर, वैज्ञानिक और साहित्यकार बनाने का अवसर भी प्रदान करना चाहती है।इसके लिए डबल इंजन की सरकार पैसा उपलब्ध करवा रही है, लेकिन कठमुल्लापन की संस्कृति नहीं चलेगी। उन्होंने पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम का उदाहरण देते हुए कहा कि शिक्षा के आधुनिकीकरण से ही समाज का विकास संभव है। सीएम योगी ने कहा कि स्कूलों में फ्री एजुकेशन की व्यवस्था की जा रही है। उनका आधुनिकीकरण किया जा रहा है। उन्होंने दोहराया कि डबल इंजन की सरकार बिना किसी भेदभाव के सभी छात्रों को आधुनिक और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

सीएम योगी ने कहा कि सरकार हर बच्चे को उत्तम शिक्षा प्रदान करने के लिए कृतसंकल्प है, जिससे वे केवल मजहबी शिक्षा तक सीमित न रहें, बल्कि आधुनिक शिक्षा ग्रहण कर समाज के लिए उपयोगी नागरिक बनें। सरकार का उद्देश्य है कि हर बच्चा अपनी योग्यता के आधार पर आगे बढ़े और राष्ट्र के विकास में योगदान दे। बच्चे ईश्वर की सर्वश्रेष्ठ कृति हैं कोई भेदभाव नहीं करेंगे उत्तम शिक्षा मिलेगी अच्छी शिक्षा मिलेगी आधुनिक शिक्षा मिलेगी बिना भेदभाव के मिलेगी सरकार इसके लिए दिशा में कदम बढ़ा रही है।

इसके लिए हर सुविधा से आच्छादित करेगी, लेकिन जिसको केवल मजहबी शिक्षा लेनी है वह वहां जाएं लेकिन अच्छा साहित्यकार अच्छा वैज्ञानिक अच्छा गणितज्ञ अच्छा शिक्षक अच्छा इंजीनियर बनने के लिए आधुनिक शिक्षा भी लेनी पड़ेगी। सीएम योगी ने कहा कि प्रदेश में मुख्यमंत्री अभ्युदय कोचिंग योजना के तहत छात्रों को निःशुल्क कोचिंग प्रदान की जा रही है, जिससे प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले युवाओं को लाभ मिल रहा है।

सीएम योगी ने विधान परिषद में विपक्ष को आड़े हाथों लेते हुए आरू जनजाति का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि यह जनजाति उत्तर प्रदेश–नेपाल सीमा क्षेत्र में निवास करती है, जिसमें महाराजगंज, सिद्धार्थनगर, कुशीनगर, गोरखपुर और सोनभद्र जैसे जिले शामिल हैं। उन्होंने विपक्षी सदस्यों पर निशाना साधते हुए कहा कि वे प्रदेश की जनजातियों और वंचित वर्गों की वास्तविक स्थिति से पूरी तरह अनभिज्ञ हैं। उन्होंने बताया कि थारू, मुसहर, गोंड और अन्य वंचित जनजातियों के लोग बुनियादी सुविधाओं से वंचित थे, न उनके पास जमीन के पट्टे थे, न राशन कार्ड, न ही मकान। डबल इंजन की सरकार ने इन सभी जनजातियों को मुख्यधारा में लाने का काम किया है।

## सीबीएसई इंटर के छात्र ने की आत्महत्या

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सीबीएसई इंटरमीडिएट की परीक्षा दे रहे छात्र ने आत्महत्या कर ली है। आदर्श पांडे निवासी बौर व्यास थाना खलीलाबाद जनपद संतकबीरनगर बस्ती शहर के बैरीयहवा मोहल्ले में किराए का मकान लेकर रह रहा था। वह सरस्वती वरिष्ठ विद्या मंदिर रामबाग में इंटरमीडिएट अंतिम वर्ष का छात्र था। उसकी परीक्षा शहर के उर्मिला एजुकेशनल एकेडमी केंद्र पर हो रही थी। बताया जाता है कि पिछला दो प्रश्न पत्र खराब होने के कारण वह अवसाद में चल रहा था। सोमवार की देर रात उसने अपने कमरे में फंदे से लटक कर आत्महत्या कर ली। जानकारी होने पर कोतवाली पुलिस पहुंची और शव को कब्जे में लिया। मकान मालिक और पुलिस ने इसकी जानकारी परिजनों को दी। मौके पर परिजन पहुंच गए हैं।

## एकदिवसीय रोजगार मेला 27 को

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालयध्माडल कॅरियर सेन्टर एवं राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, बस्ती के संयुक्त तत्वावधान मे एकदिवसीय रोजगार मेला का आयोजन दिनांक 27 फरवरी 2025 दिन बृहस्पतिवार को पूर्वान्ह 10.30 बजे से क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय कैम्पस कटरा मूढ़धाट रोड बस्ती में किया जायेंगा। उक्त जानकारी देते हुए जिला सेवायोजन अधिकारी अवधेन्द्र प्रताप वर्मा ने बताया कि इस मेले में कृष्णा ट्रैक्टर फूटहिया, उत्कर्ष स्माल फाईनेंस बैंक एवं एल. आई.सी. बस्ती मे लोकल स्तर पर अलग–अलग पदों पर भर्ती करने हेतु आयेंगी।

उन्होने बताया कि कृष्णा ट्रैक्टर फूटहिया हेतु निर्धारित योग्यता न्यूनतम 12 पास मात्र महिला वर्ग के अभ्यर्थी ऑफिस वर्क के पदों हेतु वेतनमान 6000 से 8000 रुपये वर्ग के अभ्यर्थी अपेक्षित है, दूसरे नियोजक एल.आई.सी. हेतु निर्धारित योग्यता न्यूनतम 10 पास मात्र महिला वर्ग के अभ्यर्थी बीमा सखी के पदों हेतु निर्धारित टारगेट पर वेतनमान 7000 रुपये वर्ग के अभ्यर्थी अपेक्षित है तथा तीसरे नियोजक उत्कर्ष स्माल फाईनेंस बैंक हेतु शैक्षिक योग्यता न्यूनतम स्नातक पास केवल पुरुषो के लिए, जिनके पास मोटर बाइक वैलिड ड्राइविंग लाइसेंस होना अनिवार्य होगा, कलेक्शन ऑफिसर पदों पर गोरखपुर, प्रयागराज और वाराणसी जोन हेतु निर्धारित टारगेट पर वेतनमान कुल–10000 रुपया + प्रोत्साहन राशि + बाइक भत्ता पर वर्ग के अभ्यर्थी अपेक्षित है तथा आयु 18 से 35 वर्ष तक ही होनी चाहिए। यह सभी नियोजक इन्टरव्यू लेकर कैंपस प्लेसमेंट के माध्यम से भर्ती करने हेतु आ रही है।

उन्होने बताया कि इच्छुक अभ्यर्थी अपने बायोडाटा के साथ उक्त तिथि, दिन, समय व स्थान पर निःशुल्क प्रतिभाग कर लाभ उठा सकते है। अधिक जानकारी हेतु कार्यालय क्षेत्रीय सेवायोजनध्माडल कॅरियर सेन्टर बस्ती में सम्पर्क कर ली जा सकती है।

## महिला की हत्या मामले में परिवार से मिला राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग मोर्चा का प्रतिनिधि मंडल

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। नगर थाना क्षेत्र के रानीपुर बेलाड़ी में हुई महिला की संदिग्ध मौत के मामले में राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग मोर्चा के मंडल महासचिव एवं पूर्व लोकसभा प्रत्याशी ठाकुर प्रेम नंदवंशी के नेतृत्व में एक प्रतिनिधि मंडल ने पीड़ित परिवार से मुलाकात की। कहा पीड़ित परिवार के साथ उनकी गहरी संवेदना है। उन्होने परिवार को भरोसा दिलाया कि वे न्याय मिलने तक साथ खड़े रहेंगे और जरूरत पड़ी तो सड़क पर उतरकर संघर्ष भी करेंगे।

आपको बता दें 23 फरवरी को रानीपुर बेलाड़ी गांव की 32 वर्षीय मधुमालती की लाश सिवान में मिली थी। गले पर पाये गये गहरे जख्म हत्या की आशंका को प्रबल करने वाले थे। नंदवंशी नें कहा मामला गंभीर है, इसका खुलासा करने की बजाय पीड़ित परिवार पर ही दबाव बनाया जा रहा है जो दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होने कहा 27 फरवरी को पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपकर न्याय की मांग करेंगे। मामले प्रतिनिधि मंडल में शामिल आल इण्डिया महापद्मानंद एजुकेटेड एसोसियेशन के जिलाध्यक्ष आलोक ठाकुर ने कहा मामला हत्या से जुड़ा है, पुलिस इसे दूसरा रूप देने की कोशिश न करे। परिवार को न्याय दिलाने के बजाय संवदेनहीनता बरती गई तो आन्दोलन का रास्ता अख्तियार करेंगे। बाबा ठाकुर, बबलू ठाकुर, दिलीप ठाकुर, राहुल शर्मा, अनिल शर्मा, सोनू शर्मा के साथ बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

# भगवा पहनने से क्या कोई योगी हो जाता है? रावण भी साधु के भेष में आया था –अखिलेश यादव

लखनऊ (आभा)। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने सीएम योगी आदित्यनाथ पर एक बार फिर तंज कसा है। उन्होंने मीडिया से रूबरू होते हुए कहा कि भगवा पहनने से क्या कोई योगी हो जाता है, रावण भी देवी सीता का हरण करने साधु के भेष में आया था। ये पहले ऐसे सीएम हैं जिन्हें कुछ भी जानकारी नहीं है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ विधानसभा में लगातार सपा पर निशाना साध रहे हैं। कई उर्दू भाषा को लेकर तो कभी महाकुंभ में दुष्प्रचार का आरोप लगा रहे हैं। वहीं, सपा प्रमुख अखिलेश यादव भी पलटवार कर रहे हैं। मुख्यमंत्री की भाषा और उनके कपड़ों को लेकर सपा सांसद ने कहा कि कोई भगवा पहनने से क्या योगी हो जाता है। रावण भी सीता का अपहरण करने साधु के भेष में आया था। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने मंगलवार को मुख्यमंत्री पर तंज कसते हुए कहा, ध्या भगवा कपड़े पहनने से कोई योगी हो जाता है? भारत के लोग खासकर गांव के लोग जो रामायण देखते हैं, जानते हैं। उन्हें पता है कि माता सीता का जब अपहरण हुआ था तो रावण भी साधु के भेष में आया था। यह पूरा प्रदेश जानता है, हिंदू समाज के लोग जानते हैं कि जब रावण को सीता मां का हरण करना था तो रावण साधु के भेष में आया था, इसलिए हमको और आपको सावधान रहना पड़ेगा। ऐसे लोगों से हमें सावधान रहना पड़ेगा जिनका व्यवहार और भाषा खराब हो गया है। अखिलेश ने आगे कहा कि यह अनड्रेमोक्रैटिक लैंग्वेज बोल रहे हैं। समाजवादी का मतलब सबका साथ, समाजवादी का मतलब सबको सम्मान और समाजवादी का मतलब सबको साथ लेकर चलना है। हमारे मुख्यमंत्री को कुछ पता नहीं है। ये पहले ऐसे सीएम हैं जिन्हें कुछ जानकारी नहीं है।

समाजवादी पार्टी के एक्स हैंडल पर शेयर एक अन्य वीडियो में अखिलेश यादव बोलते नजर आ रहे हैं, ध्हमारे मुख्यमंत्री को होश ही नहीं है कि समाजवादी शब्द कॉन्स्टिट्यूशन का है। अगर 100 नंबर और एंबुलेंस को किसी ने बर्बाद किया है तो उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री हैं जो योगी नहीं हैं।

## जिला पंचायत मे विवादः अधूरी बैठक को लेकर 29 सदस्यों की शिकायत, सामूहिक इस्तीफे की चेतावनी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बस्ती में जिला पंचायत की बैठक को लेकर विवाद गहरा गया है। मंगलवार को जिला पंचायत सदस्य गिल्लम चौधरी के नेतृत्व में 29 सदस्यों ने मंडल आयुक्त को ज्ञापन सौंपा। सदस्यों का आरोप है कि 15 फरवरी को विकास भवन सभागार में आयोजित जिला पंचायत की बैठक अधूरी रह गई थी। जिला पंचायत अध्यक्ष संजय चौधरी और मुख्य अधिकारी बीच में ही बैठक छोड़कर चले गए थे। हालांकि, अध्यक्ष ने मीडिया में बैठक के पूरा होने का दावा किया। जिला पंचायत सदस्य गिल्लम चौधरी ने सदस्यों के साथ मंडल आयुक्त को ज्ञापन दिया। बैठक में 27 सदस्य थे मौजूद गिल्लम चौधरी ने बताया कि उस दिन बैठक में 27 सदस्य मौजूद थे। अब 29 सदस्यों ने मंडल आयुक्त से पुरानी बैठक को निरस्त कर नई बैठक बुलाने की मांग की है। सदस्यों ने चेतावनी दी है कि अगर उनकी मांग नहीं मानी गई तो वे सामूहिक इस्तीफा दे देंगे।

## वकीलों का विरोध प्रदर्शनः वकील की आत्मदाह की चेतावनी पर एसडीएम और एएसपी पहुंचे, सौंपा ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। अधिवक्ता संशोधन बिल के विरोध में वकीलों का प्रदर्शन तेज हो गया है। मंगलवार को एक अधिवक्ता द्वारा आत्मदाह की चेतावनी के बाद प्रशासन सक्रिय हो गया। एसडीएम सदर शत्रुघ्न पाठक और अपर पुलिस अधीक्षक ओपी सिंह तत्काल प्रदर्शन स्थल पर पहुंचे। वकीलों ने एसडीएम को ज्ञापन सौंपा।

वरिष्ठ अधिवक्ता प्रदीप पांडेय ने कहा कि वर्तमान में अधिवक्ताओं को अनेक चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने सरकार पर न्यायिक प्रक्रिया को सुचारु करने की बजाय अधिवक्ताओं पर अंकुश लगाने का आरोप लगाया। पांडेय ने कहा कि अधिवक्ता भ्रष्टाचार और अन्याय के खिलाफ आवाज उठाते हैं, इसलिए उन्हें दबाने का प्रयास किया जा रहा है।

प्रदर्शनकारी वकीलों ने सरकार से बिल वापस लेने की मांग की। उन्होंने हाईवे जाम करने की चेतावनी भी दी। प्रदर्शन में वरिष्ठ अधिवक्ता प्रदीप कुमार पांडेय, रजनीश दूबे, रमेश पांडेय, जवाहिर मिश्रा, रविशंकर शुक्ला, अमर सिंह, संजय श्रीवास्तव, राधेश्याम यादव और विनोद सिंह सहित बड़ी संख्या में वकील मौजूद थे। सभी ने एकजुट होकर इस बिल का विरोध किया।

## व्यापारियों पर मनमाने तरीके से लाइसेंस थोप रही नगरपालिका, विरोध में उतरे व्यापारी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । नगरपालिका प्रशासन द्वारा व्यापारियों पर मनमाने तरीके से लाइसेंस शुल्क थोपने का विरोध दर्ज कराते हुये व्यापारियों ने नगर विकास मंत्री को ज्ञापन भेजकर मांग किया है कि लाइसेंस शुल्क को समाप्त किया जाये। बस्ती उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के जिलाध्यक्ष सुनील कुमार गुप्ता की अगुवाई में कलेक्टेट पहुंचे पदाधिकारियों व व्यापारियों ने नगर विकास मंत्री को सम्बोधित ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से जिलाध्यक्ष ने कहा गया है कि नगरपालिका प्रशासन ने लाइसेंस शुल्क को लेकर न अखबार में कोई इश्तहार दिया और न ही व्यापारियों से आपत्ति मांगा। हो सकता है कि छोटे अखबारों में इस बावत इश्तहार छपा हो लेकिन अप्रासिरत अखबारों में इश्तहार छपने से कोई इसे देख नही पाता और न ही आपत्तियां दर्ज हो पाती है। इस प्रकार औपचारिकता पूरी कर व्यापारियों पर गैर जरूरी शुल्क का निर्धारण कर दिया गया। यह कतई उचित नही है और इसे वापस लिया जाना व्यापक जनहित में है। जिला महामंत्री रंजीत श्रीवास्तव ने कहा मनमाना लाइसेंस शुल्क निर्धारण से महंगाई बढ़ेगी, व्यापारी इस खर्च को ग्राहकों से ही वसूल करेगा।

ऐसे में लाइसेंस शुल्क में मनमानी न तो व्यापारियों के हित मे है और न ही जनता के। इसे जबरदस्ती थोपा गया तो व्यापारी सड़क पर उतरेंगे। पूरे प्रकरण में नगरपालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि अंकुर वर्मा से बात की गई, तो उन्होने कहा शासन के गजट के अनुसार नगरपालिका ने लाइसेंस शुल्क का निर्धारण किया है। इसमें किसी को आपत्ति नही होनी चाहिये। दूसरी ओर व्यापारियों ने यह भी कहा कि काफी लम्बे अरसे से नगरपालिका में ईओ की तैनाती नही हो रही है, इससे नगरपालिका क्षेत्र का विकास प्रभावित हो रहा है साथ ही समस्याओं का निस्तारण नही हो रहा है। व्यापारियों ने ईओ की तैनाती की मांग किया है। ज्ञापन सौंपने वालों में चेयरमैन आनंद राजपाल, सूर्यकुमार शुक्ल, धर्मेन्द्र चौरसिया, शेषनरायण गुप्ता, सतीश सोनकर, परशुराम चौधरी, रविन्द्र कश्यप आदि मौजूद रहे।

# विभागों में लम्बित प्रकरणों को समय से निस्तारित किया जाए –डीएम

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । जिलाधिकारी रवीश गुप्ता की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में आई0जी0आर0एस0 की समीक्षा बैठक आयोजित की गयी, जिसमें मुख्यमंत्री सन्दर्भ, जिलाधिकारी सन्दर्भ, ऑनलाइन प्राप्त सन्दर्भ, भारत सरकार पी0जी0 पोर्टल सन्दर्भ, शासन राजस्व परिषद निदेशालय सन्दर्भ, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, महिला हेल्प डेस्क सहित आदि संदर्भों के सम्बन्ध में विभिन्न विभागों द्वारा लंबित प्रकरणों के सम्बन्ध में जिलाधिकारी द्वारा सम्बन्धित को निर्देशित किया गया कि निर्धारित समय में निस्तारित किये जायें।

जिलाधिकारी द्वारा उपस्थित अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि शासन के मंशानुरुप जनसामान्य की शिकायतों का निस्तारण शीर्ष प्राथमिकताओं के अनुरूप किये जायें। उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि विभिन्न माध्यमों से प्राप्त होने वाली शिकायतों का सम्बन्धित अधिकारी मौके पर जाकर मौका मुआयना कर फोटो सहित आख्या लगाकर गुणत्तापूर्ण निस्तारण करें। उन्होंने सभी आई.जी.आर.एस. नोडल अधिकारियों को निर्देशित किया कि आई.जी.आर.एस. पोर्टल का प्रतिदिन स्वयं अवलोकन करें तथा संतुष्ट/असंतुष्ट फीडबैक, स्थलीय सत्यापन रिपोर्ट, कॉलिंग फीडबैक, लंबित प्रकरणों आदि का स्वयं गहन अवलोकन कर गुणवत्तापूर्ण निस्तारण कराना सुनिश्चित करें तथा किसी भी प्रकरण को डिफाल्टर न होने दें।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी जयदेव सी.एस., सीआरओ कीर्ति प्रकाश भारती, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. आर.एस. दुबे, डीएफओ जय प्रकाश, डीडीओ अजय सिंह, डीसी मनरेगा संजय शर्मा, उप जिलाधिकारी शाहिद अहमद, विनोद कुमार पाण्डेय, आशुतोष तिवारी, सेवायोजन अधिकारी अवधेन्द्र प्रताप वर्मा, डीपीआरओ रतन कुमार, डीएसओ सत्यवीर सिंह, डीआईओ एनआईसी आलोक मिश्रा, ईडीएम सौरभ द्विवेदी सहित समस्त सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

*"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेंडेल फिलिप्स*

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 26 फरवरी 2025 बुधवार

## सम्पादकीय

# सोशल मीडिया के प्रभाव और दुष्प्रभाव

पिछले दिनों एक विवादास्पद मामले में सुप्रीम कोर्ट की सख्ती के बाद केंद्रीय सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने संबंधित कानूनों के अनुपालन की जरूरत महसूस करते हुए ओटीटी प्लेटफॉर्म्स के लिये एडवाइजरी जारी की है। निस्संदेह यह वक्त की जरूरत है। दरअसल, हाल ही में एक यूट्यूबर की अभद्र टिप्पणी से पैदा हुए विवाद पर देशव्यापी प्रतिक्रिया हुई थी। केंद्र सरकार की पहल को शीर्ष अदालत के सख्त रुख के आलोक में देखा जा रहा है। पारिवारिक मूल्यों वाले भारतीय समाज में अभिव्यक्ति की आजादी का दुरुपयोग करते हुए अमर्यादित व संवेदनहीन टिप्पणी के मामले गाहे–बगाहे प्रकाश में आते रहते हैं। यही वजह है कि इलाहाबादिया प्रकरण में कई राज्यों में आपराधिक मामले दर्ज कर किए गए। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने आरोपी को गिरफ्तारी से राहत तो दी मगर सख्त टिप्पणी भी की थी कि वे दिमागी गंदगी को थोप रहे हैं, जिससे समाज शर्मसार हुआ है। लेकिन इस प्रकरण ने अभिव्यक्ति की आजादी की सीमाओं के नियमन की बहस को नये सिरे से शुरू कर दिया। हालांकि, आपातकाल के सीमित कालखंड को छोड़ दें तो देश में हमेशा अभिव्यक्ति की आजादी का सम्मान किया गया है। सुप्रीम कोर्ट समेत कई उच्च न्यायालयों ने अभिव्यक्ति की आजादी को अक्षुण्ण बनाये रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी है। लेकिन आजादी के अतिक्रमण के बाद सूचना व प्रसारण मंत्रालय ने ओटीटी प्लेटफॉर्म हेतु एडवाइजरी जारी करते हुए संबंधित कानून के सभी प्रावधानों के अनुपालन सुनिश्चित करने को कहा है। निस्संदेह, इंटरनेट और सोशल मीडिया के दौर में अभिव्यक्ति की आजादी की सीमाओं के निर्धारण की आवश्यकता है।

सोशल मीडिया को स्मार्टफोन, कंप्यूटर और टैबलेट के माध्यम से एक्सेस किया जा सकता है, लेकिन सोशल मीडिया तक पहुंचने की शुरुआत कंप्यूटर से हुई, जो किसी भी इंटरनेट टेलीकम्यूनिकेशन टूल के साथ किया गया था, और आधुनिक समय में भी किया जा सकता है और इन टूल्स की मदद से यूजर जल्द से जल्द कंटेंट क्रिएट कर सकते हैं और इंटरनेट के जरिए उस कंटेंट को ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचा भी सकते हैं। अगर सोशल मीडिया की बात करें तो वह है, इंस्टाग्राम जिस पर फोटो, वीडियो आदि शेयर किए जाते हैं, ट्विटर जहां लिंक और इमेज क्रिएटर्स शेयर किए जाते हैं।

हाल के दिनों में डिजिटल मंचों पर अश्लीलता व हिंसक अभिव्यक्ति के चलते इनके नियमन की जरूरत महसूस की जा रही है। खासकर पारिवारिक जीवन मूल्यों का अतिक्रमण करने वाली टिप्पणियों पर रोक जरूरी है। यदि स्थिति में सुधार नहीं होता तो बहुत संभव है कि सरकारी निगरानी बढ़ जाए। दरअसल, सूचना प्रसारण मंत्रालय ने इस बाबत बनी संसदीय समिति से कहा है कि समाज में इस बात को लेकर रोष है कि अभिव्यक्ति की आजादी के संवैधानिक अधिकार का अतिक्रमण करके हिंसक व अश्लील सामग्री का प्रसारण किया जा रहा है। वहीं संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी संबंधी स्थायी समिति का कहना है कि इसके नियमन के लिये कुछ कानून तो हैं लेकिन वर्जित सामग्री के नियमन के लिये नया प्रभावी कानून होना चाहिए। ऐसी राय देश के जनप्रतिनिधियों, अदालतों तथा कुछ वैधानिक संस्थाओं ने व्यक्त की है। देश की शीर्ष अदालत का मानना रहा है कि यूट्यूब जैसे मंचों पर सामग्री साझा करने पर नियंत्रण हेतु कानून निष्प्रभावी नजर आते हैं। अब नये मीडिया मंचों पर विवादास्पद सामग्री पर अंकुश लगाने के लिये कानून में संशोधन की भी बात कही जा रही है। इसकी वजह यह भी है कि परंपरागत प्रिंट व इलेक्ट्रॉनिक मीडिया तो इस बाबत बने कानून के दायरे में आते हैं, लेकिन नए डिजिटल प्लेटफॉर्मों के लिये प्रभावी कानून नहीं है। निश्चित रूप से संविधान प्रदत्त अभिव्यक्ति की आजादी के दुरुपयोग पर अंकुश लगाने की जरूरत है।

# चुनाव में विदेशी हस्तक्षेप की विडम्बना

—ज्योति मल्होत्रा—

अत्यधिक कुख्यात 'विदेशी हाथ', जो कभी इंदिरा गांधी का अपने विरोधियों पर आरोप जड़ने का पसंदीदा ढंग था, अब फिर से प्रचलन में है। द ट्रिब्यून के अभिलेखागार में झांकें तो आपको पूर्व प्रधानमंत्री द्वारा 'देश को बर्बाद करने पर आमादा' अज्ञात विदेशी ताकतों के जिक्र के अनेक उदाहरण मिलेंगे। बेशक, यह 40 साल पुरानी बात है, और निश्चित रूप से हम उन दिनों से आगे बढ़ चुके हैं और एक अधिक सुरक्षित व आत्मविश्वासी राष्ट्र बन गए हैं।

इस सप्ताह, मार्सेल प्राउस्ट से क्षमा याचना सहित, ऐसा लग रहा है कि हम अतीत की यादों में खो गए हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के घनिष्ठ मित्र एलन मस्क का यह बयान कि यूएसएड ने 'भारत में मतदान' के लिए 21 मिलियन डॉलर खर्च किए थे, इसे भाजपा सत्य मान बैठी। ट्रम्प की इस हल्की–फुल्की टिप्पणी के बाद कि यह धन बाइडेन प्रशासन द्वारा 'किसी और को निर्वाचित करने' में मदद करने के लिए भेजा गया था,भारत में सत्तारूढ़ दल इसकी प्राप्ति को लेकर अब कांग्रेस को निशाना बना रही है– कुछ लोग इसे जैसे को तैसा कह सकते हैं।

बेशक, ट्रम्प अपने समर्थकों को खुश करने के लिए ऐसी बयानबाजियां कर रहे हैं। स्पष्ट रूप से, ठीक यही कुछ भाजपा भी अपने समर्थकों के लिए कर रही है। विदेश मंत्रालय ने कहा रू 'यह जानकारी स्पष्ट रूप से बहुत परेशान करने वाली है और भारत के आंतरिक मामलों में विदेशी हस्तक्षेप को लेकर 'चिंता' पैदा करती है। आप कह सकते हैं कि यह 'यह सब राजनीति' है, इस तूफान का मूल उद्देश्य राहुल गांधी को शर्मिंदा करने का एक प्रयास है दृ ऐसा नहीं है कि उन्हें अपने बचाव में मदद की जरूरत है। भले ही सप्ताहांत होते–होते इसका असर अपने–आप छितर भी जाता, पर जरा देखें तो कि 'बात के बतंगड़' ने अब तक क्या नुकसान पहुंचाया।

सर्वप्रथम,शर्मिंदगी खुद विदेश मंत्रालय को उठानी पड़ी है, न कि कांग्रेस पार्टी को। दुनिया के बेहतरीन राजनयिकों से सज्जित भारत का विदेश मंत्रालय राजनीति के दलदल से ऊपर रहने की कोशिश करता आया है – और अधिकांशतः सफल भी रहा है। यह अकारण नहीं है कि भारत के कई प्रधानमंत्री पहले विदेश मंत्री भी रहे थे और जो नहीं थे, उन्होंने भी इसके मामलों में गहरी रुचि बनाए रखी है। (वास्तव में, भारत गणराज्य के प्रत्येक राजदूत के नियुक्ति पत्र पर हस्ताक्षर प्रधानमंत्री द्वारा व्यक्तिगत रूप से किए जाते हैं)। यदि विदेश मंत्रालय की भूमिका राष्ट्रीय हितों की रक्षा करना है, तो उसे वह परंपरा कायम रखनी होगी कि खुद को सत्तारूढ़ दल द्वारा इस्तेमाल न होने दे। इसीलिए वह अपने शब्दों का चयन बहुत सावधानी से करता आया है। आखिरकार, शब्द ही एक राजनयिक के तरकश के एकमात्र तीर होते हैं, और प्रत्येक का अर्थ वही होता है, जो वह कहना चाहता है।

दूसरा, इस मौजूदा तूफान का मतलब है कि भाजपा –और विदेश मंत्रालय भी– पिछले पखवाड़े में तीन अमेरिकी सैन्य उड़ानों के जरिये, बेड़ियों–हथकड़ियों में बंधे भारतीयों की वतन वापसी वाले विवाद को पीछे छोड़ चुके हैं। ट्रम्प से मिलने के उपरांत, प्रधानमंत्री के स्वदेश पहुंचने के तुरंत बाद, इनमें दो उड़ानें अमृतसर में उतरीं, लेकिन सरकार में किसी ने अभी तक यह जवाब नहीं दिया है कि क्या भारतीय पक्ष ने ट्रम्प के साथ इस मुद्दे को उठाया है।

लेकिन वह कहानी खत्म हो गई है। भारत सरकार आगे बढ़ चुकी है। हालांकि, तथ्य यह है कि कई सवाल अनुत्तरित हैं, जिनमें यह भी शामिल है कि निर्वासित किए सिखों की पगड़ियां अकारण क्यों उतारी गईं। जहां तक सवाल है कि उन्हें बेड़ियां–हथकड़ियां क्यों पहनाई गईं, तो ऐसा लगता है कि अमेरिकी का तरीका यही है दृ जबकि कई अन्य देश ऐसा नहीं करते और उन्होंने अवांछित भारतीयों को घर भेजते समय ऐसा नहीं किया दृ लेकिन लगता है कि अमेरिकी कोई जोखिम नहीं उठाना चाहते।

मूल प्रश्न बना हुआ है। क्या अमेरिका में भारतीय दूतावास या दिल्ली स्थित विदेश मंत्रालय ने अमेरिकी राजनयिकों को बुलाकर उनसे जवाबतलबी की है कि उन उड़ानों में भारतीय नागरिकों के साथ इतना बुरा सुलूक क्यों किया गया? अमेरिकियों ने फिलहाल ऐसी उड़ानें बंद कर रखी हैं दृजाहिर है,निर्वासितों को पनामा और कोस्टा रिका में छोड़ना कहीं सस्ता पड़ता है। भारत का कहना है कि वह इन लोगों की पहचान की तसदीक कर रहा है दृ इसमें कुछ समय लग सकता है, मेरे शब्दों पर ध्यान दें, चूंकि यह प्रक्रिया सच में लंबी है और इसमें यह फैसला लेना भी शामिल है कि क्या इनमें कोई किसी अन्य दक्षिण एशियाई देश का नागरिक तो नहीं दृ भारतीय या पाकिस्तानी या कोई और?– या फिर सब के सब आपके अपने देश के हैं। इस बारे में सोचें, यदि आपके अवैध वीसा एजेंट ने आपका पासपोर्ट रख लिया या जंगल में कहीं फेंक दिया और आपके पास अब कोई पहचान के कागजात नहीं हैं, तो कोस्टा रिका या पनामा में भारतीय राजनयिक किस आधार पर यह तय करेगा कि उसके सामने खड़ा व्यक्ति भारतीय है या नहीं? उसका घर का पता क्या है? वह दिखता कैसा है? वह कौन सी भाषा बोलता है?

तीसरा, तथ्य यह है कि मंटो की लघुकथा के किरदार टोबा टेक सिंह की बेमानी दुनिया में फंसे इन पुरुषों और महिलाओं की परवाह कौन करेदृ इधर पंजाब में हालात तुलनात्मक रूप में बेहतर नहीं हैं, जहां कनाडा–अमेरिका अब भी लुभावने रहेंगे। गुजरातियों की भांति वे भी वहां पलायन करना चाहते हैं, जिनकी गिनती वहां पहुंचे लोगों में दूसरी सबसे बड़ी है दृ और ठीक वैसे ही, जैसे कि हम में से वह लोग, जिन्हें अमेरिकी वीजा पाने का चाव है।

चौथा, अब वक्त है सीधे मुद्दे पर आने का। सच्चाई यह है कि मौजूदा तूफान वास्तव में आपको अपने आसपास की दुनिया में तेजी से हो रहे बदलावों का विश्लेषण करने से ध्यान भटकाने के वास्ते खड़ा किया गया है। रियाद में रूस–अमेरिका वार्ता के बाद, लगता है ट्रम्प एंड कंपनी रूसियों के साथ अच्छे संबंध बनाने के मूड में पूरी तरह से है। इससे भी महत्वपूर्ण यह कि ट्रम्प ने हाल ही में चीन के शी जिनपिंग को वाशिंगटन डीसी आने का न्यौता दिया है। तो क्या इसका मतलब यह हुआ कि याल्टा जैसा दूसरा सम्मेलन होने वाला है? यह कि, ट्रम्प, पुतिन और जिनपिंग जल्द ही अपने–अपने महाद्वीपों को संभालने जा रहे हैं –रूस को यूरोप और चीन को एशिया का जिम्मा सौंप दिया जाएगा? भले ही यह अतिशयोक्ति लगे, फिर भी आप बात समझ गए होंगे। आप दावे के साथ कह सकते हैं कि रूस और चीन भर में उत्साह की बयार बह रही है।

और यही इस लेख का आखिरी सवाल हैरू यदि ट्रंप जिनपिंग से गलबहियां डालने जा रहे हैं, जोकि जाहिर है एक नई साहसिक दुनिया की तरह दिखाई दे रहा है, तो भारत का इसमें क्या स्थान है, खासकर तब जब भारत और मोदी चीन से अपने बचाव के लिए ट्रंप और अमेरिका को ढाल की भांति देख रहे थे?शायद, यह भारत को जगाने वाली चेतावनी है। कदाचित, यह वक्त अपने भीतर ध्यान केंद्रित करने और अपनी खुद की ताकत विकसित करने का है। जहां तक 'विदेशी हाथ' वाले हथकंडे की बात है,तो इसे ठीक उसी रूप में लें जैसा कि यह हमेशा से रहा है, केवल ध्यान भटकाने का एक टोटका।

लेखिका 'द ट्रिब्यून' की प्रधान संपादक हैं।

# किसानों की समस्या का कैसे हो समाधान

— उमेश चतुर्वेदी—

साल 2025–26 के बजट में किसान क्रेडिट कार्ड पर किसानों को मिलने वाले तीन लाख रूपए के कर्ज को बढ़ाकर पांच लाख कर दी गई है। इसका जिक्र करते हुए केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने हाल ही में एक्स पर लिखा है कि इससे सब्जी–फल, हॉर्टिकल्चर की खेती करने वाले किसानों को विशेष रूप से लाभ होगा। अब वे खेती में ज्यादा पैसे लगा सकते हैं, ये उत्पादन की लागत घटाने के उपाय हैं। हालांकि किसान संगठनों को लगता है कि इसका जितना फायदा सोचा जा रहा है, उतना नहीं होने वाला है। किसान संगठनों की मांग है कि किसान क्रेडिट की सीमा बढ़ाने के साथ ही किसानों पर बकाया कर्जों को अगर माफ कर दिया जाए तो किसान जहां ज्यादा खुशहाल होंगे।

भारत सरकार के आंकड़ों के अनुसार, देश की कुल जनसंख्या का 46.1 प्रतिशत हिस्सा खेती–किसानी और उससे जुड़े कार्यों से अपनी रोजी–रोटी चलाता है। हालांकि कुछ जानकारों का मानना है कि यह संख्या और भी ज्यादा हो सकती है। सरकार के ही आंकड़ों के अनुसार देश के 12 करोड़ किसान परिवार सीमांत हैं। इनमें करीब 35 प्रतिशत की जोत 0.4 हेक्टेयर से कम है, जबकि 69 प्रतिशत किसानों के पास एक हेक्टेयर से कम जमीन है। आंकड़ों के अनुसार देश के 82 प्रतिशत किसान छोटे या सीमांत हैं। जिनकी जोत 0.4 हेक्टेयर से कम है, उनकी खेती से सालाना आमदनी आठ हजार रूपए के आसपास है। जाहिर है कि देश के किसानों के बड़े हिस्से के पास बिक्री के लिए उपज ही नहीं होती। खेती के जरिए वे जो अन्न या सब्जी उपजाते हैं, उनका इस्तेमाल अपने खाने–पीने में ही करते हैं। नरेंद्र मोदी सरकार ने 2014 में सत्ता संभालते ही किसानों की आय 2022 तक दोगुना करने का वादा किया था। उसके लिए जो कदम उठाए गए, उसी कड़ी में किसान क्रेडिट कार्ड की शुरूआत भी थी। इसके फायदे हुए भी हैं। लेकिन जो लक्ष्य रखा गया था, उसे पाना अब भी कठिन चुनौती बना हुआ है।

शिवराज सिंह चौहान का कहना ठीक है कि किसान क्रेडिट कार्ड की सीमा बढ़ाने का फायदा किसानों को होगा। इसकी तस्दीक हाल ही में राष्ट्रीय स्तर पर हुए कृषि सर्वेक्षण से जुड़े घरेलू स्तर के आंकड़ों का आकलन भी बताता है। घरेलू स्तर के आंकड़ों के जरिए कृषि में उत्पादकता और उसके जोखिम के साथ ही कृषि ऋण के प्रभाव का आकलन भी किया गया था। इस आकलन के नतीजे बताते हैं कि अगर किसानों को समय पर उचित कर्ज मिलता है तो उससे उसकी उत्पादकता में 24 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी दिखने लगती है। इससे किसानों को होने वाले नुकसान का जोखिम 16 फीसद तक कम हो जाता है।

महाजनी सभ्यता और अनौपचारिक कर्ज व्यवस्था के जोखिम और उससे उपजे खराब हालात से जूझते किसानों की दयनीय और मार्मिक कहानियों से भारतीय साहित्य भरा पड़ा है। हिंदी कथा सम्राट प्रेमचंद का मशहूर उपन्यास गोदान ऐसी ही कथाभूमि पर रचा गया गया है। उसे कृषक के दारूण जीवन की महागाथा कहा जाता ही है। बहरहाल यह अध्ययन मानता है कि किसानों को अगर औपचारिक क्षेत्र का ऋण मिलता है तो उसकी उपज और उसकी जिंदगी पर उस कर्ज का महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है, जबकि अनौपचारिक यानी महाजनी कर्ज व्यवस्था का किसानों के जीवन पर नकारात्मक प्रभाव अधिक होता है। साफ है कि किसानों को अगर सही तरीके से औपचारिक कर्ज सही वक्त पर दीर्घकालिक अवधि के लिए मिले तो उसकी जिंदगी में महत्वपूर्ण बदलाव आ सकता है। कुछ अन्य अध्ययन भी बताते हैं कि अगर किसानों को समय पर दीर्घकालिक और औपचारिक कर्ज मिलता है तो उसकी खेती को जरूरतों को पूरा करने में उसे मदद मिलती है। इससे उसकी उत्पादकता बढ़ने की गुंजाइश बढ़ जाती है। किसान की उपज बढ़ जाती है, फसल तैयार भी हो जाती है, लेकिन उसे बेचने के लिए सही बाजार तक पहुंच के लिए रकम नहीं होती तो उसे अपनी फसल और उपज औने–पौने दामों में बेचनी पड़ती है। लेकिन अगर किसान को सही तरीके से औपचारिक कर्ज मिलता है तो उस पर तात्कालिक आर्थिक दबाव नहीं रहता और फसल के बाद के खर्चों को पूरा करने में उसे मदद मिलती है। अगर किसानों के पास कुछ पैसे रहते हैं तो उस पर घरेलू जरूरतों का दबाव नहीं झेलना पड़ता और उसे अपने घरेलू खर्चों को पूरा करने में जहां सहायता मिलती है, वहीं इसके लिए उसे अपनी उपज सेंतमेत में बेचने को मजबूर नहीं होना पड़ता। इस कर्ज से किसान अपने कृषि उपकरणों और दूसरी अवसंरचनाओं को आसानी से रखरखाव कर सकता है। अध्ययन बताते हैं कि समय बद्ध और सहूलियत भरे अधिक कर्ज के जरिए किसानों को पशुपालन, डेयरी, मत्स्य पालन जैसे कृषि आधारित और सहयोगी कामों को आगे बढ़ाने में मदद होती है। इस पूरी प्रक्रिया का असर यह होता है कि किसान की आर्थिक सुरक्षा मजबूत हो जाती है। तब वह बाजार और अपने उपज की वाजिब कीमत का इंतजार भी कर सकता है। आर्थिक सहूलियत रहने से समय पर वह जरूरी खाद और दवाओं को खरीदकर उनका खेती में इस्तेमाल कर सकता है। इसके साथ ही वह दूसरे खर्चों का दबाव भी नहीं महसूस कर सकता है।

बीती 31 जनवरी को को संसद में पेश आर्थिक सर्वेक्षण के अनुसार देश में मार्च 2024 तक 7.75 करोड़ किसान क्रेडिट कार्ड जारी किए जा चुके थे। इनके जरिए किसानों को 9.81 लाख करोड़ रुपये की राशि दी जा चुकी है। यह रिपोर्ट भी कहती है कि छोटे और सीमांत किसानों को लाभ देने के चलते खेती की उत्पादकता और किसानों की आय बढ़ाने में मदद मिल रही है।

# ढूढना होगा नक्सली आतंक का हल

—योगेन्द्र योगी—

**सुरक्षाबल के कैंप स्थापित होने से जो गांव नक्सलवाद के प्रभाव से मुक्त हो रहे हैं वहां से लोग सबसे पहले आधार कार्ड, आयुष्मान कार्ड बनवा कर सरकार की योजनाओं का लाभ ले रहे हैं। सरकार की योजनाओं का विस्तार इन इलाकों तक हुआ है। वह मुख्यधारा में जुड़ रहे हैं।**

नक्सलियों के आतंक के गढ़ रहे नक्सली प्रभावित इलाकों में चुनावों के जरिए लोकतंत्र के सूरज का उदय हो रहा है। इससे लोकतंत्र के प्रति भरोसा बढने के साथ ही इसकी जड़ें मजबूत हो रही हैं। भटके हुए युवाओं और डरे हुए ग्रामीणों को समझ में आने लगा है कि सिर्फ लोकतांत्रिक तरीके से ही उनकी समस्याओं का हल निकाला जा सकता है। छत्तीसगढ़ में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के प्रथम चरण के लिए वोट डाले गए। इस दौरान बस्तर संभाग के सुकमा और बीजापुर जिले के अनेक मतदान केंद्रों पर पहली बार अनेक दशकों के बाद ग्राम पंचायतों में मतदान हुए। इस बार बस्तर में पंचायत चुनावों का नक्सलियों की ओर से कोई विरोध नहीं किया जाना क्षेत्र में 40 से अधिक नई सुरक्षा कैंपों की स्थापना और सरकार की ओर से ग्रामीणों में विश्वास बहाल करने की रणनीति का परिणाम है। यह एक ऐतिहासिक बदलाव है और लोकतांत्रिक मूल्यों की जीत को दर्शाता है। राज्य में मोहला, मानपुर, अंबागढ़ चौकी, दंतेवाड़ा और गरियाबंद जिलों में और बीजापुर के पुसनार, गंगालूर, चेरपाल, रैड्डी, पालनार जैसे क्षेत्रों में ग्रामीणों ने निर्भीक होकर मतदान किया।

छत्तीसगढ़ में नगरीय निकाय चुनाव के बाद अब पंचायत चुनाव हो रहे हैं। पंचायत चुनावों में ऐसा पहली बार हो रहा है जब नक्सलियों ने इसका विरोध नहीं किया है। राज्य में कमजोर हो रहे नक्सलवाद का यह सबसे बड़ा उदाहरण है। छत्तीसगढ़ राज्य के गठन के बाद से हर बार पंचायत चुनावों में नक्सलियों की तरफ से पोस्टर जारी किए जाते थे लेकिन ऐसा पहली बार हो रहा है जब नक्सलियों ने विरोध नहीं किया। इसके साथ ही स्थानीय लोग भी वोटिंग करने के लिए घरों से बाहर निकले। इससे पहले नक्सली बस्तर इलाके में वोटिंग करने पर ग्रामीणों को धमकी देते थे। नक्सलियों ने कई बार पोस्टर जारी कर कहा था कि वोटिंग करने वालों की उंगलियों को काट लिया जाएगा जिस कारण से ग्रामीण वोटिंग करने के लिए नहीं निकलते थे। इस बार पंचायत चुनाव में ग्रामीणों ने बड़े उत्साह के साथ वोटिंग की है। हार्डकोर नक्सली इलाकों में वोटिंग के लिए लंबी–लंबी कतारें लगीं। हिडमा के गांव में पहली बार वोटिंग छत्तीसगढ़ में 3 चरणों में पंचायत चुनाव के लिए वोटिंग होनी है। यहां सुरक्षाबल के जवानों के कारण लोग वोटिंग करने के लिए घरों से बाहर आ रहे हैं।

बस्तर संभाग के 7 नक्सल प्रभावित जिलों में कुल 1855 ग्राम पंचायतें हैं। लोकतंत्र की बुनियादी विजय पताका के फहरे जाने की वजह यह है कि सुरक्षाबल के जवानों ने नक्सलियों के हार्डकोर इलाके में 40 से अधिक कैंप स्थापित कर लिए हैं। जिस कारण से इन इलाकों में नक्सलियों का प्रभाव कम हुआ है। नए कैंप खुलने के बाद नक्सली पीछे हट गए हैं। सुरक्षाबल के जवान नक्सलियों के गढ़ में घुसकर कार्रवाई कर रहे हैं। जिस कारण से वह पंचायत चुनाव का विरोध नहीं कर पाए। इससे पहले नक्सली मजबूत होते थे और हमारे सिस्टम पर हमला करते थे लेकिन अब वह लगातार कमजोर हो रहे हैं। अब वह अपना गढ़ बचाने में लगे हुए हैं।

सुरक्षाबल के कैंप स्थापित होने से जो गांव नक्सलवाद के प्रभाव से मुक्त हो रहे हैं वहां से लोग सबसे पहले आधार कार्ड, आयुष्मान कार्ड बनवा कर सरकार की योजनाओं का लाभ ले रहे हैं। सरकार की योजनाओं का विस्तार इन इलाकों तक हुआ है। वह मुख्यधारा में जुड़ रहे हैं। पूर्व में सुरक्षा बलों की कार्रवाई सीधे अबूझमाड़ में नहीं होती थी। जिस कारण से नक्सलियों का गढ़ सुरक्षित था और वह इस तरह की हरकतें करते थे। मौजूदा सरकार की रणनीति से सुरक्षाबल के जवान गढ़ को भी घेर रहे हैं और कार्रवाई कर रहे हैं, वहीं गढ़ के आसपास भी नक्सलियों पर हमले हो रहे हैं जिस कारण से नक्सली बैकफुट पर आ गए हैं।

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि इस बार बस्तर में पंचायत चुनावों का नक्सलियों की ओर से कोई विरोध नहीं किया जाना क्षेत्र में 40 से अधिक नई सुरक्षा कैंपों की स्थापना और सरकार की ओर से ग्रामीणों में विश्वास बहाल करने की रणनीति का परिणाम है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि बस्तर में नक्सलवाद के खात्मे की प्रक्रिया अब निर्णायक मोड़ पर पहुंच चुकी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के संकल्प के मुताबिक मार्च 2026 तक छत्तीसगढ़ को नक्सलवाद से मुक्त करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। राज्य सरकार बस्तर के नागरिकों को विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और बुनियादी सुविधाओं से जोडने के लिए संकल्पित है। केंद्र और राज्य का लक्ष्य है कि 2026 तक छत्तीसगढ़ को नक्सलियों से मुक्त कराना है। बचे हुए भटके नक्सलियों के पास अब भी मौका है अपनी मांगों को मनवाने के लिए बंदूक की हठधर्मिता का रास्ता छोड़ कर लोकतंत्र के रास्ते विकास का सफर तय करें।

# संशोधन बिल के विरोध में अधिवक्ताओं में उबाल, निकाली रैली, फूंका पुतला

**संवाददाता—महराजगंज।** बार काउंसिल आफ इंडिया के आह्वान पर अधिवक्ता अधिनियम संशोधन बिल 2025 के विरोध में अधिवक्ता आंदोलित रहे। मंगलवार को महराजगंज सहित सभी तहसीलों में अधिवक्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया। महराजगंज में बाइक रैली निकाल रजिस्ट्री कार्यालय का घेराव किया गया तो फरेंदा में अधिवक्ताओं ने प्रधानमंत्री व गृह मंत्री का प्रतीकात्मक पुतला जलाकर विरोध जताया। सिविल कोर्ट बार एसोसिएशन महराजगंज के अधिवक्ताओं ने अध्यक्ष करुणाकर पति त्रिपाठी तथा महामंत्री अनूप सिंह के नेतृत्व में नारे लगाए तथा शहर के सक्सेना चौक को जाम किया। अधिवक्ताओं ने रजिस्ट्री ऑफिस का घेराव कर वहां किसी भी प्रकार के कामकाज को न करने की चेतावनी दी। अध्यक्ष करुणाकर पति त्रिपाठी ने कहा कि इस संशोधन बिल की कोई आवश्यकता नहीं है। सरकार अधिवक्ताओं व न्यायिक विशेषज्ञों से बिना विमर्श किये न्यायपालिका पर या संशोधन बिल थोप रही है। महामंत्री अनूप सिंह ने कहा है कि इस संशोधन बिल से वादकारियों के हित सीधे प्रभावित होंगे, जो कि न्यायहित के खिलाफ है। विरोध प्रदर्शन में उपाध्यक्ष रविशंकर त्रिपाठी, गिरिजेश मिश्रा, संयुक्त मंत्री उमेश तिवारी, आफताब अंसारी, अजय चौधरी सहित, कोषाध्यक्ष अजय वर्मा, पूर्व अध्यक्ष इंद्रासन सिंह, जितेंद्र सिंह, पूर्व महामंत्री दिनेश गुप्ता, सत्य प्रकाश सिंह, धर्मेंद्र त्रिपाठी तथा कपिल प्रजापति, प्रद्युम्न पटेल, अभिजीत सिंह, राम किशोर पटेल, कौशल किशोर पाण्डेय, वसीम अकरम, वशिष्ठ मिश्रा, संतोष पटेल, आलोक मिश्रा, अब्दुल करीम, राजेश पांडेय, सुरेंद्र सिंह गांधी, शुभम राज, राघवेन्द्र त्रिपाठी, गणेश प्रसाद, प्रमोद तिवारी, देवेन्द्र निगम, दुर्गेश श्रीवास्तव, हरिहर मिश्रा, अरुण सिंह, मंजेश पटेल, धनंजय पटेल, अवनीश पटेल, रंजीत गुप्ता, कैलाश अग्निहोत्री आदि शामिल रहे।

सिविल बार फरेन्दा व रेवन्यू बार तहसील फरेंदा के संयुक्त आंदोलन में अधिवक्ताओं ने बिल का जोरदार विरोध किया। दीवानी न्यायालय के अधिवक्ता अध्यक्ष रविन्द्रनाथ उपाध्याय, मंत्री अनिल पासवान एवं रेवन्यू बार के अधिवक्ता अध्यक्ष अष्टभुजा वर्मा व मंत्री परमात्मा सिंह के नेतृत्व में प्रदर्शन करते हुए आंबेडकर तिराहे पर पहुंचे। यहां प्रधानमंत्री व गृहमंत्री का प्रतीकात्मक पुतला जलाया। राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन एसडीएम को सौंपा। इस दौरान राम सहाय गुप्ता, स्कन्द श्रीवास्तव, शैलेन्द्र श्रीवास्तव, परशुराम यादव, मनोज मिश्र, सतेंद्र सिंह, मो. हई, आशुतोष राना, अरविन्द उपाध्याय, उमाकांत यादव, सरोज नारायण मिश्र, सनत त्रिपाठी, सुनील मणि, ओमकार मौर्य, मृदुल यादव, अनिल मौर्या, शशांक त्रिपाठी, सचिन त्रिपाठी, हिदातुल्लाह खान, विनय श्रीवास्तव, शम्भू यादव, अभिषेक अग्रहरी, शमशाद अली, परमात्मा त्रिपाठी, उमाकांत पाण्डेय व ब्रह्मानन्द मिश्र सहित तमाम अधिवक्ता मौजूद रहे।

नौतनवा तहसील के अधिवक्ताओं ने कामकाज बंद कर जमकर धरना–प्रदर्शन किया। सरकार के विरोध में नारे भी लगाए और एसडीएम को ज्ञापन सौंपा। रेवेन्यू बार एसोसिएशन के अध्यक्ष विभूति प्रसाद यादव के नेतृत्व में रजिस्ट्री कार्यालय पर पहुंचकर घेराव किया गया। इस दौरान शमसुद्दीन खान, संजय सोनी, राजेश श्रीवास्तव, वीरेंद्र नाथ पांडेय, नागेंद्र शुक्ला, अनिल चौधरी, रमेश यादव, अजय यादव, राजन कुमार, हनुमंत तिवारी, फखरे आलम, एसपी सिंह, रियाज अहमद, सचिन श्रीवास्तव, इरशाद अहमद सहित बड़ी संख्या में अधिवक्ता मौजूद रहे।

तहसील बार एसोसिएशन निचलौल के बैनर तले अधिवक्ताओं ने नारेबाजी के बीच प्रदर्शन किया। विधि मंत्रालय को संबोधित ज्ञापन एसडीएम शैलेन्द्र गौतम को सौंपा। इस मौके पर तहसील बार एसोसिएशन के अध्यक्ष संगम कुमार पांडेय, महामंत्री विजय कुमार तिवारी, अरविंद कुमार मिश्र, राकेश चौबे, वीरेन्द्र कुमार तिवारी, अजय तिवारी, दीनानाथ चौधरी, सुनील चौधरी, गजेन्द्र मिश्र, नवीन कुमार मिश्र आदि मौजूद रहे।

# तेज रफ्तार बाइक व मोपेड की आमने–सामने भिड़ंत, एक युवक व एक किशोर की मौत

**संवाददाता—श्रावस्ती।** कटरा स्थित श्रावस्ती स्थित एयरपोर्ट गेट के सामने मंगलवार बाइक व मोपेड की आमने सामने भिड़ंत हो गई। घटना में बाइक व मोपेड सवार एक युवक व एक किशोर की मौत हो गई जबकि एक मासूम, एक महिला व एक किशोर गंभीर रूप से घायल हो गए। जिन्हें मेडिकल कालेज बहराइच रेफर किया गया है।

नवीन मार्डन थाना कटरा क्षेत्र के ग्राम तेंदुआ पंडित निवासी सोनू गुप्ता (16) पुत्र सुरेश कुमार मंगलवार को मोपेड से कटरा बाजार आया था। जहां से वह गांव के ही हर्षित गुप्ता (15) पुत्र राकेश के साथ वापस गांव लौट रहा था। इसी बीच थाना क्षेत्र के ही गोपालपुर निवासी थानेदार उर्फ अजय कुमार तिवारी (35) अपनी मां सुषमावती तिवारी (60) पत्नी शोभाराम व तीन वर्षीय बेटे रुद्र तिवारी के साथ बाइक से वीरपुर की तरफ से कटरा की ओर आ रहा था।

जैसे ही दोनों सवार श्रावस्ती एयरपोर्ट गेट के सामने पहुंचे तभी दोनों की आमने सामने भिड़ंत हो गई। टक्कर तेज होने के कारण सोनू की घटनास्थल पर ही मौत हो गई जबकि चारों गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने सभी घायलों को सीएचसी इकौना पहुंचाया जहां चिकित्सक ने अजय कुमार को मृत घोषित कर दिया जबकि हर्षित, सुषमा व रुद्र को सीएचसी इकौना पहुंचाया गया।

जहां सुषमा, हर्षित व रुद्र की हालत गंभीर होने के कारण उसे मेडिकल कॉलेज बहराइच रेफर कर दिया है। दोनों ही बाइक सवारों ने हेलमेट नहीं पहना था। इस बारे में थानाध्यक्ष कटरा योगेश कुमार सिंह का कहना है कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है।

# सीमा निर्धारण को लेकर यातायात कर्मी व रिक्शा चालक आमने–सामने

**संवाददाता—बलरामपुर।** शहर में ई–रिक्शा संचालन की सीमा निर्धारित किए जाने को लेकर चालकों व यातायात पुलिस आमने सामने है। चालकों का कहना है कि सीमा निर्धारण से यात्रियों को दिक्कत होगी। साथ ही उन्हें दैनिक मजदूरी भी निकालना मुश्किल हो जाएगा। जबकि यातायात पुलिस का दावा है कि सीमा निर्धारण से मुख्य बाजार में जाम की समस्या कम होगी। आक्रोशित ई–रिक्शा चालकों ने मंगलवार को अम्बेडकर तिराहा के निकट आधे घंटे तक चक्का जाम रखा। नगर पालिका से वार्ता किए जाने की बात पर राजी होने के बाद रिक्शों का संचालन शुरू हो सका।

नगर में ई–रिक्शों की संख्या बढ़कर लगभग चार हजार पहुंच गई है। इससे आम आदमी को आवागमन में सुविधा जरूर हुई है, लेकिन जाम की समस्या गहराती जा रही है। ई–रिक्शा संचालन के लिए तीन रूटों का निर्धारण एक साल पहले किया गया था। एक नम्बर रूट पर वीर विनय चौराहा से भगवतीगंज, बहादुरपुर व उतरौला रोड पर रिक्शों का संचालन होता रहा है। दो नम्बर रूट पर वीर विनय चौराहा से बौद्ध परिपथ पर बहराइच मार्ग, कलेक्ट्रेट, कचेहरी व हरिहरगंज तक ई–रिक्शे चलते हैं। तीन नम्बर रूट पर वीर विनय चौराहा से बौद्ध परिपथ स्थित डिग्री कॉलेज, मेजर चौराहा, बिजलीपुर मंदिर से सिसई बेलहा तक संचालन निर्धारित है। सोमवार को यातायात पुलिस व ई–रिक्शा संचालकों के बीच बात हुई थी। जिसमें कहा गया था कि संतोषी माता तिराहा पर ही ई–रिक्शों को रोक दिया जाएगा। बहराइच रोड पर झारखंडी रेलवे स्टेशन व तुलसीपुर रोड पर पंजाब नेशनल बैंक के सामने तक ई–रिक्शों का संचालन हो सकेगा। मंगलवार को अम्बेडकर तिराहा के निकट रूट नम्बर तीन के रिक्शों को रोक दिया गया, जिससे चालकों में आक्रोश फैल गया। कई दर्जन चालकों ने सड़क पर ई–रिक्शा खड़ा कर चाभी निकाल ली। उनका कहना था कि वे ई–रिक्शा किराए पर लेकर आते हैं। रूट नम्बर तीन के ई–रिक्शे पर यदि कोई मरीज है और उसे संयुक्त जिला अस्पताल ले जाना है तो उसे इलाज की छूट नहीं होगी। ऐसे में इलाज के बिना मरीज की जान भी जा सकती है। यदि किसी दिव्यांग को पीएमनबी के सामने उतार दिया जाए तो वह बस स्टैंड तक कैसे पहुंचेंगे। यदि यात्रियों को उनके मंजिल तक पहुंचाने की सुविधा नहीं है तो पूरा किराया नहीं मिल पाता है। ऐसे में ई–रिक्शा संचालकों को मालिक को किराया अदा करने भर का भी पैसा नहीं मिल पाएगा।

# प्रदेश के लिए रोल मॉडल बनेगा श्रावस्ती, सरकारी जमीनों पर लगेगा शिलापट, दर्ज होगा भूमि का ब्योरा



**संवाददाता—श्रावस्ती।** सरकारी जमीनों का पूरा ब्योरा अब भूमि शिलापट पर दर्ज होगा। इसके लिए डीएम की ओर से पहल की गई है। जो बाद में प्रदेश के लिए रोल मॉडल बनेगा। इससे जहां सार्वजनिक भूमि अतिक्रमण मुक्त होगी। वहीं उस पर होने वाले कब्जे की आसानी से पहचान भी हो सकेगी।

पालिका परिषद भिनगा व नगर पंचायत इकौना सहित जिले की 397 ग्राम पंचायतों में तमाम ऐसी सार्वजनिक भूमि स्थित है। जिसकी जानकारी सिर्फ कागजों तक ही सीमित है। इसका फायदा भू माफिया उठा रहे हैं। जिनके द्वारा इन भूमियों पर कब्जा कर न सिर्फ निजी उपयोग में लिया जा रहा है। बल्कि लोगों को गुमराह कर उसे बेचा भी जा रहा है। लेकिन अब ऐसा नहीं होगा। इसकी लिए डीएम अजय कुमार द्विवेदी की ओर से एक नया प्रयोग किया जा रहा है। इसके तहत नगर व ग्रामीण क्षेत्रों की सभी सरकारी व सार्वजनिक भूमि को चिह्नित कराकर उसका सीमांकन कराया जा रहा है। साथ ही वहां एक शिलापट भी लगाया जा रहा है। जिस पर भूमि का प्रकार, भूमि की श्रेणी, रकबा, ग्राम सभा व गाटा संख्या आदि दर्ज कराया जा रहा है। साथ ही इसके सुपरविजन की जिम्मेदारी संबंधित क्षेत्र के राजस्व लेखपाल, सफाई कर्मी, ग्राम प्रधान व पंचायत सचिव सहित पंचायत सहायक को सौंपी जाएगी। यदि इस भूमि पर लगा पटल कोई हटाने का प्रयास करता है या फिर भूमि के साथ छेड़छाड़ व कब्जे का प्रयास करता है तो संबंधित के विरुद्ध लोक संपत्ति क्षति निवारण अधिनियम के तहत केस दर्ज कर न सिर्फ उसे जेल भेजा जाएगा। बल्कि उससे जुर्माना भी वसूल किया जाएगा। डीएम अजय कुमार द्विवेदी ने बताया कि मेरे द्वारा यह नया प्रयोग किया जा रहा है। इससे न सिर्फ सार्वजनिक व सरकारी भूमि सुरक्षित व संरक्षित होगी। बल्कि उस भूमि की निगरानी करने में भी आसानी होगी। प्रयोग सफल रहा तो इसे प्रदेश में भी लागू किया जा सकता है।

# समारोह में हृदयगति रुकने से सेवानिवृत वनाधिकारी की मौत



**संवाददाता—गोण्डा।** शादी समारोह में शामिल होने गए सेवानिवृत्त वनाधिकारी एसडी शुक्ला (74) का हृदय गति रुक जाने से निधन हो गया। इसकी जानकारी होते ही सुरेश कुमार शुक्ला, प्रबंधक सुरेश नारायण पाण्डे, दामोदर प्रसाद शुक्ल बड़े बाबू प्रधान प्रतिनिधि राजेश दुबे, पूर्व प्रधान धीरेंद्र तिवारी, अयोध्या प्रसाद ओझा, बीएन तिवारी, सुशील दुबे, भोलेनाथ, शफीक सिद्दीकी, शाहिद इदरीसी आदि ने गहरी संवेदना प्रकट की है। इटियाथोक गांव के सेवानिवृत वनाधिकारी एसडी शुक्ला रविवार को परिवार के साथ शादी समारोह में शामिल होने के लिए गए हुए थे।

शादी समारोह में ही उनकी तबीयत बिगड़ी आनन–फानन में परिवार के लोगों ने गोंडा के एक निजी अस्पताल में भर्ती करवाया जहा उनकी इलाज के दौरान मौत हो गई। पीड़ित परिवार के बेटे सरसचन्द्र शुक्ला ने बताया पूर्व में हार्ट की समस्या थी और इलाज चल रहा था। रविवार की शाम परिवार के अन्य लोगों के साथ एक शादी के कार्यक्रम में शामिल होने के लिए गए थे वहीं पर तबीयत खराब हुई। परिवार में चार बेटे प्रकाशचंद्र, ज्ञानचंद्र, सरस चन्द्र और एनआरआई दीप चंद्र हैं।

## व्यायसायिक मशीन का हुआ शुभारम्भ

**संवाददाता—श्रावस्ती।** युवाओं को खुद का रोजगार मुहैया कराने के लिए सरकार की ओर से कई ऋण योजनाएं चलाई जा रही है। जिसका लाभ लेकर लोग खुद का रोजगार स्थापित कर रहे हैं। सरकार की ऋण योजना का लाभ लेकर जमुनहा में मैन्युफेक्चरिंग मशीन की स्थापना की गई है। मंगलवार को पूर्व जिला पंचायत सदस्य प्रहलाद सिंह, इंडियन बैंक शाखा मल्हीपुर के प्रबंधक चंद्र सिंह ने फीता काटकर मशीन का शुभारम्भ किया। इस मशीन ने चप्पल का निर्माण किया जाएगा। इस मौके पर राहुल जायसवाल, ग्राम प्रधान रोहित गुप्ता, राजू जायसवाल, अजय सोनी, मकबूल अहमद, अमरनाथ सिंह, प्रहलाद सिंह आदि मौजूद रहे।

## विज्ञान प्रदर्शनी में बच्चों के मॉडल को सराहा

**संवाददाता—श्रावस्ती।** विद्यालय में विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। जिसमें बच्चों की ओर से विभिन्न प्रकार के माडल बनाकर प्रस्तुत किए गए। बच्चों की ओर से प्रस्तुत किए माडल लोगों के लिए आकर्षण बने रहे। जमुनहा विकास क्षेत्र के आरबी मेथर्ड पब्लिक स्कूल महरू मूर्तिहा में मंगलवार को विज्ञान प्रदर्शनी का अयोजन किया गया। जिसमें विद्यालय के बच्चों ने प्रतिभाग किया। बच्चों ने प्राकृतिक खेती, वर्षा जल संचयन, लैंगिक असमानता, जैव विविधता, पौधो का भाग, संसद भवन, जल परिवहन, स्वचालित जल निकलने की मशीन, पवन चक्की, एटीएम मशीन सहित विभिन्न प्रकार के माडल बनाकर प्रदर्शित किए। इस दौरान छात्रा आराध्या सिंह ने प्राकृतिक खेती के बारे माडल प्रस्तुत कर लोगों को खेती की तकनीकियों के बारे में जानकारी दी। छात्रों ने लोगों को बरसात का पानी संरक्षित करने के लिए उसके जल संचयन क्रिया के बारे में बताया। साथ ही छात्रा भाव्या मिश्रा ने लैंगिक असमानता पर अपने विचार साझा किए। इसी तरह अखंड वीर सिंह, रानी, परी, फहद खान, उमेर खान, अफजल खान, सचिन चौधरी, जेहरा, इनायत उल्लाह, विवेक पटेल आदि छात्रों ने भी कई तरह की जानकारियां साझा की। प्रधानाचार्य ज्योति पारिख ने कहा कि बच्चों ने वैज्ञानिक सिद्धांतों को समझा और अपने रचनात्मक विचारों को दिखाया जो बेहद रुचिपूर्ण है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय विज्ञान का युग है। ऐसे में प्राथमिक स्तर से ही बच्चों में विज्ञान की जिज्ञासा जरूरी है। इससे वह आगे जलकर विज्ञान के क्षेत्र में अहम भूमिका निभाएंगे। इस मौके प्रबंधक सरोज सिंह, शिक्षक सत्येन्द्र विक्रम सिंह, प्रीतम वर्मा आदि मौजूद रहे।

# सीमा सुरक्षा की बैठक में हुई अहम मुद्दों पर चर्चा

**संवाददाता—श्रावस्ती।** भारत नेपाल सीमा की सुरक्षा को लेकर मंगलवार को पुलिस कार्यालय में बैठक की गई। बैठक में एसपी के साथ ही श्रावस्ती, बलरामपुर व बहराइच के एसएसबी अधिकारी शामिल हुए। बैठक में सीमा सुरक्षा समेत अहम मुद्दों पर मंथन किया गया। बैठक की अध्यक्षता पुलिस अधीक्षक घनश्याम चौरसिया ने की। बैठक में अधिकारियों की ओर से सीमा सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा की गई तथा सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए जरूरी रणनीतियों पर विचार–विमर्श किया गया। इसके साथ ही इंडो–नेपाल सीमा से लगे भारतीय जनपदों व नेपाल राष्ट्र के जिलों की सुरक्षा चुनौतियों और संभावित खतरों की गहन समीक्षा हुई। एसपी की ओर से श्रावस्ती से लगी अंतरराष्ट्रीय सीमा पर सुरक्षा व्यवस्था की विस्तार से समीक्षा की गई। जिसमें जिसमें सीमा क्षेत्र की कुल लंबाई, एसएसबी वाहिनी के आउट पोस्ट की स्थिति, उनके गश्ती दल व संसाधनों की उपलब्धता की जानकारी ली गई। सीमा सुरक्षा को और अधिक मजबूत करने के लिए विशेष सर्विलांस योजनाओं पर विचार किया गया। एसपी की ओर से सीमा के नो मेंस लैंड के शून्य से पांच किलोमीटर क्षेत्र में अवैध कब्जों की स्थिति, उनकी संख्या व अब तक हटाए गए अवैध कब्जों की समीक्षा की गई। बॉर्डर क्षेत्र के 15 किलोमीटर के अंदर स्थित व्यावसायिक प्रतिष्ठानों, फैक्ट्रियों व गोदामों की निगरानी बढ़ाने पर जोर दिया गया। ताकि इन प्रतिष्ठानों का किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधियों, जैसे पेट्रोल, खाद्य, सोने व मादक पदार्थों की तस्करी के लिए दुरुपयोग न हो सके। ऑपरेशन त्रिनेत्र के तहत चिन्हित प्रतिष्ठानों एवं अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगाने का निर्देश दिया गया। बैठक में 42वीं वाहिनी नानपारा बहराइच के उप कमांडेंट राज कुमार, 62वीं वाहिनी भिनगा के कमांडेंट अमरेंद्र कुमार वरुण, 9वीं वाहिनी बलरामपुर के कमांडेंट कुमुद रंजन, एएसपी प्रवीण कुमार यादव, सीओ इकौना सतीश शर्मा आदि अधिकारी मौजूद रहे।

# समूह की महिलाओं ने सीखा आपदा प्रबंधन के गुर

**संवाददाता—श्रावस्ती।** पिरामल फाउंडेशन की ओर से जमुनहा विकास क्षेत्र के ग्राम पंचायत महादेवा नासिरगंज में मंगलवार को ग्राम प्रधान सुनीता गुप्ता की अध्यक्षता में आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में महिलाओं को आपदा के बारे में जानकारी दी गई और आपदा से बचाव के तरीके समझाए गए। पिरामल फाउंडेशन के गांधी फेलो विकास नागर पोले ने महिला समूह के सदस्यों को आपदा प्रबंधन की आवश्यकताएं और उपाय, सीपीआर, सर्पदंश और वॉटर रेस्क्यू जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर जानकारी दी। उन्होंने कहा कि किसी भी आपदा के दौरान बच्चे, वृद्ध, बीमार व्यक्ति व महिलाएं सबसे अधिक संवेदनशील होती हैं। आपदा प्रबंधन के प्रति जागरूक व्यक्ति खुद के साथ ही अन्य लोगों की मदद कर सकता है। इसलिए इस प्रशिक्षण में आप सभी को जो भी सिखाया गया है उसे हमेशा याद रखें। यह किसी भी आपदा के समय आप के काम आएगा। इस दौरान ग्राम प्रधान ने महिलाओं को महिला सशक्तिकरण के बारे में भी जानकारी दी।

## 13 बोटा जंगली सागौन व चिरान बरामद किया

**संवाददाता—श्रावस्ती।** एक व्यक्ति की ओर से जंगल से अवैध कटान कर लकड़ी के बोटों को ट्रैक्टर ट्राली में पुआल में छिपाकर रखा गया था। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने छापेमारी कर लकड़ी को बरामद कर लिया। पुलिस ने लकड़ी को जब्त कर जांच शुरू कर दी है। मल्हीपुर थाना क्षेत्र के खांवा खुर्द गांव में सीताराम पुत्र स्वामी दयाल के घर के पास लगे पुआल के ढेर के नीचे अवैध कटान कर जंगली सागौन की लकड़ी को छिपा कर रखा गया था। साथ ही कुछ लकड़ी व चिरान एक ट्रैक्टर ट्राली में रखकर छिपाई गई थी। मंगलवार को मुखबिर से पुलिस को सूचना दी। सूचना पर मल्हीपुर थानाध्यक्ष शैलकांत उपाध्याय, उपनिरीक्षक साहब राव, उपनिरीक्षक अमित कुमार, आरक्षी विजय यादव, सर्वेश चाकसिया व कमलेश गिरी की टीम ने छापेमारी की। जहां 13 बोटा सागौन व कुछ चिरान बरामद हुई। बरामद लकड़ी को जब्त कर पुलिस ने कब्जे में ले लिया। वहीं पुलिस की भनक लगते ही आरोपी मौके से फरार हो गए। ट्रैक्टर ट्राली समेत लकड़ी को पुलिस थाने ले आई। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और आरोपियों की तलाश कर रही है।

# जीपीएफ का हो भुगतान शिक्षकों की हो नियुक्ति



**संवाददाता—देवरिया।** प्रदेश में 1980 के दशक में संस्कृत माध्यमिक शिक्षा परिषद की स्थापना की गई। इसके साथ ही संस्कृत की शिक्षा के साथ प्रयोग शुरू हुए। इसमें गणित और विज्ञान की पढ़ाई को भी जोड़ा गया। इस दौरान रिक्त होते जा रहे शिक्षकों और कर्मचारियों के पद पर नई भर्ती नहीं की गई। परिणामस्वरूप आज आधे से अधिक पद रिक्त हैं। आधा दर्जन ऐसे महाविद्यालय हैं, जहां एक भी नियमित शिक्षक की तैनाती नहीं है। देवरिया में संस्कृत शिक्षा पद्धति के कुल 36 विद्यालय हैं। इनमें कक्षा छह से लेकर आचार्य (एमए के समकक्ष) तक की शिक्षा दी जाती है। शिक्षक फणींद्र मणि का आरोप है कि संस्कृत शिक्षा में नित नए प्रयोग ने इसको यूपी बोर्ड के विद्यालयों की राह पर खड़ा कर दिया है। प्राच्य संस्कृति की शिक्षा देने वाले यह वैदिक विद्यालय अब माध्यमिक विद्यालय की तरह चल रहे हैं। आचार्य संजय मिश्र कहते हैं कि इन विद्यालयों की उपेक्षा भारी पड़ रही है। उनका कहना है कि राज्य सरकार से हम यह उम्मीद तो करते हैं कि सरकार संस्कृत विद्यालयों की दशा और दिशा दोनों सुधारे।

शिक्षक प्रमोद मिश्र का कहना है कि सरकार पुरानी व्यवस्था को लौटाए। माध्यमिक से लेकर शास्त्री आचार्य तक की पूरी व्यवस्था पूर्व की भांति सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय को सौंप दे। चंद्रभूषण पांडेय का कहना है कि संस्कृत विद्यालयों में आधुनिक शिक्षा के नाम पर इसके मूल स्वरूप से खिलवाड़ किसी भी तरह उचित है। आज जिले के सात महाविद्यालयों में एक भी नियमित शिक्षक कार्यरत नहीं हैं। इनमें प्रधानाचार्य का दायित्व भी दूसरे विद्यालय के शिक्षकों के पास है।

संस्कृत शिक्षा संस्थानों में कार्यरत शिक्षकों का लेखा–जोखा भी ठीक से नहीं रखा जा रहा है। यूपी बोर्ड के संस्थानों की मॉनीटरिंग और शिक्षकों की देखरेख के लिए नियुक्त जिला विद्यालय निरीक्षक और इनका कार्यालय संस्कृत शिक्षकों के हितों का भी दायित्व निभाता आ रहा है। पर इन शिक्षकों के जीपीएफ के धन का हिसाब–किताब कार्यालय के पास नहीं है। शिक्षक मनीष पति त्रिपाठी का कहना है कि जीपीएफ लोन नहीं मिल रहा है। कार्यालय के पास शिक्षकों के जीपीएफ कटौती के धन का हिसाब किताब ही नहीं है। आखिर कटौती का धन कहां गया। विभागीय कर्मचारियों की लापरवाही का खामियाजा हम शिक्षक भुगत रहे हैं। 2022 के बाद रिटायर शिक्षकों को जीपीएफ कटौती का धन भी डीआईओएस कार्यालय नहीं दे रहा है। शुरुआत में यह सभी डिग्रियां सम्पूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय वाराणसी से मान्यता प्राप्त हुआ करती थीं। इन विद्यालयों में शिक्षकों की नियुक्ति का अनुमोदन आदि का कार्य भी यही विश्वविद्यालय देखता रहा। एक तरह से विश्वविद्यालय ही नियामक संस्था हुआ करती थी। कालांतर में संस्कृत माध्यमिक शिक्षा परिषद का गठन कर इन विद्यालयों को दो भागों में बांट दिया गया। पूर्व मध्यमा और उत्तर मध्यमा की शिक्षा को संस्कृत माध्यमिक शिक्षा परिषद मान्यता देने लगा। वहीं शास्त्री व आचार्य की शिक्षा की मान्यता सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय वाराणसी के पास रह गई। ऐसे में पूर्व मध्यमा, उत्तर मध्यमा के साथ शास्त्री व आचार्य की शिक्षा देने वाले विद्यालय दो भागों में बंट गए। इससे प्रशासनिक और अन्य जटिलाएं उत्पन्न हो गईं। भूमि और भवन एक होने के चलते इनका धरातल पर अलग कर पाना आसान नहीं रहा। इन सबके बीच यह विद्यालय व महाविद्यालय धीरे धीरे शिक्षक विहीन होने लगे। अनुरक्षण के मद में मिलने वाला अनुदान भी सरकार ने समाप्त कर दिया। परिणामस्वरूप अधिकांश विद्यालयों के भवन जर्जर हो गए। कुछ विद्यालयों में तो प्रबंध समिति ने भी रुचि नहीं दिखाई। इसके चलते यह विद्यालय एकल संचालन में आ गए। जिले के संस्कृत शिक्षा संस्थानों में शिक्षकों के कुल 210 पद सृजित हैं। इनमें महज 99 पद पर शिक्षकों की तैनाती है। ऐसे में आधे से अधिक पद रिक्त हैं। इन रिक्तियों के दुष्प्रभाव को कम करने के लिए सरकार ने मानदेय पर शिक्षकों की तैनाती की प्रक्रिया शुरू की। इसमें महज 11 शिक्षक विभिन्न विद्यालयों में मानदेय पर कार्य कर रहे हैं। सौ पद पर अभी भी कोई शिक्षक नहीं है। यही नहीं महाविद्यालय स्तर के क वर्गीय संस्कृत शिक्षा संस्थानों में से सात में एक भी शिक्षक कार्यरत नहीं हैं।

# सत्य धाम गोपाल मंदिर के महंत बने प्रदीप दास

**—भारतीय बस्ती संवाददाता—**

अयोध्या। रामनगरी के रामघाट मोहल्ले में स्थित सत्यधाम गोपाल मंदिर का नया महंत प्रदीप को बनाया गया। महंताई समारोह के दौरान अयोध्या धाम के संत–महंत, धर्माचार्यों ने प्रदीप दास को कंठी, चादर, तिलक देकर महंताई की मान्यता प्रदान किया। श्रीरामजन्मभूमि के मुख्य पुजारी व सत्यधाम गोपाल मंदिर के महंत रहे आचार्य सत्येंद्र दास का विगत दिनों साकेतवास हो गया था। मंगलवार को उनका तेरहवीं संस्कार रहा। आचार्य सत्येंद्र दास के तेरहवीं भंडारे पर संत–महंत और धर्माचार्यों ने उनके शिष्य प्रदीप दास को कंठी, चादर, तिलक भेंटकर सत्यधाम गोपाल मंदिर का सर्वराहकार महंत नियुक्त किया। इससे पहले संतों ने श्रीरामजन्मभूमि के मुख्य पुजारी एवं सत्यधाम गोपाल मंदिर के साकेतवासी महंत आचार्य सत्येंद्र दास को श्रद्धासुमन अर्पित कर नमन किया। संतों ने उनके कृतित्व–व्यक्तित्व पर प्रकाश भी डाला। सत्यधाम गोपाल मंदिर के नवनियुक्त महंत प्रदीप दास ने कहा कि संत–महंतों ने उन्हें जिस पद की बागडोर सौंपी है। उसका वह अक्षरशा पालन करने करेंगे। सदैव पद की प्रतिष्ठा बनाकर चलेंगे। ऐसा कोई कार्य नही करेंगे, जिससे महंत पद व मंदिर की प्रतिष्ठा धूमिल हो। मठ में भगवान की सेवा



सुचार रूप से चलती रहेगी। आश्रम का सर्वांगीण विकास करेंगे। अंत में नवनियुक्त महंत ने आए हुए संत–महंत, धर्माचार्यों का अंगवस्त्र भेंटकर स्वागत–सत्कार किया। महंताई समारोह में महापौर महंत गिरीशपति त्रिपाठी, श्रीमहंत धर्मदास, धर्मसम्राट श्रीमहंत ज्ञानदास महाराज के उत्तराधिकारी व संकटमोचन सेना राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय दास, रामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्टी एवं निर्मोही अखाड़ा के महंत दिनेंद्र दास, जगतगुरु रामानुजाचार्य स्वामी राघवाचार्य, बड़ाभक्तमाल के महंत स्वामी अवधेश कुमार दास, श्रीरामवल्लभाकुंज के अधिकारी राजकुमार दास, विद्याकुंड के महंत उमेश दास, हनुमानगढ़ी के पुजारी हेमंत दास, महंत रामकुमार दास, सुंदर भवन महंत रामकरन दास, आचार्य सत्येंद्र दास वेदांती, महंत अवधकिशोर शरण, महंत जनार्दन दास, महंत रामलोचन शरण, महंत कमलादास, महंत भूषण दास, महंत सत्यदेव दास, स्वामी छविराम दास, महंत रामचंद्र दास, पूर्व पार्षद पुजारी रमेश दास, महंत बागीश शरण, महंत रामचरण दास, महंत तेजपाल दास, महंत राममिलन दास, पुनीत दास, पंडित कल्किराम, नागा रामलखन दास, पहलवान इंद्रदेव दास, प्रेममूर्ति कृष्णकांत दास, विराट दास, अंबिका दास, जयमंगल दास, अधिकारी सर्वेश्वर दास, डॉ. देवेशाचार्य, नागा गुलशन दास, महंत कमलेश दास शास्त्री, कथावाचक सरोज दास, रघुनाथ शास्त्री, महंत उत्तम दास, मणिराम दास, अंबिका दास, पहलवान राजेश दास, साकेत छात्रसंघ के पूर्व अध्यक्ष निशेंद्र मोहन मिश्र, मुकेश तिवारी फौजी, शिवम श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे।

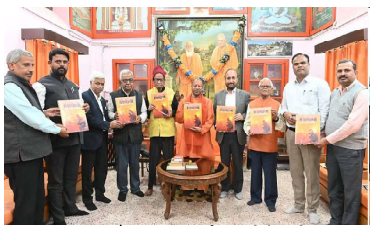

# सीएम ने किया 'कुंभ मेलाः हिंदू जगत का सूक्ष्म दर्शन' पुस्तक का विमोचन- पिता की अधूरी किताब बेटी ने की पूरी



**संवाददाता-गोरखपुर।** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार शाम गोरखनाथ मंदिर में स्मृतिशेष इतिहासकार, पुरातत्वविद एवं इलाहाबाद विश्वविद्यालय के पूर्व आचार्य प्रो. ज्ञानेंद्र कुमार राय द्वारा रचित पुस्तक 'कुंभ मेला रूमाइक्रोकॉस्म ऑफ द हिंदू वर्ल्ड' (कुंभ मेलाः हिंदू जगत का सूक्ष्म दर्शन) का विमोचन किया।

यह पुस्तक लिखने के दौरान ही प्रो. राय का गोलोकगमन हो गया था और उनके बाद उनकी पुत्री डॉ. स्मिता राय ने इसे पूरा किया तथा पत्नी आशा राय ने इसका प्रकाशन सुनिश्चित कराया। लेखन शुरू करने के साथ ही प्रो. राय की इच्छा थी कि इस पुस्तक का विमोचन सनातन मानबिंदुओं को वैश्विक फलक पर प्रतिष्ठित करने वाले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कर कमलों से हो।

पुस्तक विमोचन के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लेखक स्वर्गीय प्रो ज्ञानेंद्र राय के परिवार को अपनी मंगलमय शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने विमोचन प्रति पर लिखा, 'महाकुंभ के महात्म को दुनिया देख रही है। कुंभ मेला पर आधारित इस पुस्तक का विमोचन अद्भुत है।'

पुस्तक'कुंभ मेला रूमाइक्रोकॉस्म ऑफ द हिंदू वर्ल्ड' में कुंभ मेले की ऐतिहासिक यात्रा का विस्तृत वर्णन किया गया है। इसमें प्राचीन ग्रंथों में कुंभ मेले के उल्लेख से लेकर मध यकालीन और आधुनिक काल के दौरान इसके विकास तक को समाहित किया गया है। महाकुंभ का महापर्व समय के साथ सामाजिक और राजनीतिक परिवर्तनों के अनुसार कैसे ढला, इसके बावजूद अपनी आत्मा को कैसे संरक्षित रखा, इसका यह पुस्तक एक सूक्ष्म और गहन दृ ष्टिकोण प्रस्तुत करती है।

इस पुस्तक में ऐतहासिक संदर्भो से इस तथ्य को प्रतिष्ठित किया गया है कि कुंभ मेला सनातन अथवा हिंदुत्व को नजदीक से समझने का महत्वपूर्ण दर्शन है। यह महज एक धार्मिक जुटान नहीं है बल्कि हिंदुत्व की शक्ति और अनेकता में एकता के सनातन संदेश का साक्ष्य है। कुंभ की इन्हीं विशेषताओं से यूनेस्को ने इसे मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की मान्यता दी है।

प्रो. राय की इस पुस्तक प्रयागराज के अलावा हरिद्वार, नासिक और उज्जैन में आयोजित होने वाले कुंभ मेले के विविध आयामों पर समग्र दृष्टि डालती है। इसमें अखाड़ों के इतिहास, उनकी परंपरा और सनातन धर्म की रक्षा में उनके महत्व को विस्तार से रेखांकित करती है। इससे यह समझने का भी अवसर मिलता है कि कल्पवास, कुंभ मेले का जीवन कैसे सनातन की जीवंत परंपरा का परिचायक है।

गोरखनाथ मंदिर में विमोचन के उपरांत 'कुंभ मेला रू हिंदू जगत का सूक्ष्म दर्शन' पुस्तक के लेखक स्वर्गीय प्रो. ज्ञानेंद्र कुमार राय की पत्नी आशा राय ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। पुस्तक विमोचन के अवसर पर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह, डॉ. एसपी सिंह, प्रमथनाथ मिश्र, रामजन्म सिंह, डॉ. अरुण कुमार सिंह, डॉ. ओपी सिंह, डॉ. अनिल कुमार सिंह, डॉ. प्रदीप कुमार राव आदि भी उपस्थित रहे।

# माफिया का भाई बता मांगी रंगदारी, नहीं मानी बात तो चलाई गोली, जांच में जुटी पुलिस

**गोरखपुर-संवाददाता।** शाहपुर थाना क्षेत्र के श्रीराम चौराहे स्थित शताब्दीपुरम कॉलोनी में सोमवार की देर रात अज्ञात बदमाशों ने प्रॉपर्टी डीलर सोमनाथ शुक्ल उर्फ अंकु शुक्ल के घर के बाहर खड़ी कार पर गोली चला दी। बाइक सवार दो युवकों ने घटना को अंजाम दिया और फरार हो गए। फायरिंग की आवाज सुनकर इलाके में दहशत फैल गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी।



इस वारदात से पहले 18 फरवरी को सोमनाथ शुक्ल के मोबाइल पर एक अनजान नंबर से कॉल आया था। कॉल करने वाले ने खुद को माफिया विनोद उपाध्याय के भाई संजय उपाध्याय के रूप में बताया और धमकी दी कि होटल बना रहे हो, मुझे भी रुपये चाहिए। अगर बात नहीं मानी तो अंजाम बुरा होगा। हालांकि, सोमनाथ शुक्ल ने इस ध मकी को हल्के में लिया और इसे मजाक समझकर नजरअंदाज कर दिया।

सोमवार रात उनके घर के बाहर फायरिंग होने के बाद मामला गंभीर हो गया। पुलिस की शुरुआती जांच में खुलासा हुआ है कि सोमनाथ शुक्ल को धमकी देने वाला वास्तव में संजय उपाध्याय नहीं था। किसी अज्ञात व्यक्ति ने माफिया का नाम इस्तेमाल कर रंगदारी मांगने की कोशिश की थी।

गोरखनाथ के धर्मशाला बाजार में रहने वाले विनोद उपाध्याय का नाम प्रदेश के 61 और जिले के टाप-10 अपराधियों की सूची में शामिल था। एक साल पहले एसटीएफ ने मुठभेड़ में उसे मार गिराया था। उसके भाई संजय उपाध याय को पुलिस ने जेल भेज दिया था, लेकिन वह दो महीने पहले ही जमानत पर बाहर आया है।पुलिस अब यह जांच कर रही है कि फायरिंग करने वाले अपराधी रंगदारी मांगने वाले ही थे या फिर किसी और गैंग से जुड़े हुए हैं। इसके अलावा, काल डिटेल के आधार पर यह भी पता लगाया जा रहा है कि धमकी देने वाला व्यक्ति कौन था और उसका असली मकसद क्या था।

एसपी सध्टिी अभिघ्नव त्ध्यागी ने बताया कध्ि सर्विलांस और क्राइम ब्रांच की मदद से आरोपियों की तलाश कर रही है। सीसी कैमरे में फुटेज में बाइक सवार दो युवक दिखे हैं जिनके बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। प्रॉपर्टी डीलर को सुरक्षा मुहैया कराई है और इलाके में गश्त बढ़ा दी गई है। जल्द ही इस मामले का पर्दाफाश किया जाएगा।

# थानाध्यक्ष को पैसा न देने पर मुकदमा लिखने की धमकी का ऑडियो वायरल

**संवाददाता-सिद्धार्थनगर।** त्रिलोकपुर थानाध्यक्ष का मंगलवार को एक ऑडियो प्रसारित हो रहा है। थानाध्यक्ष की ओर से एक व्यक्ति को फोन पर सुबह दस बजे थाने पर आने को बोला जा रहा है। थाने पर आकर पूर्व में तय बातों पर मामला खत्म कर लो। फोन पर व्यक्ति के द्वारा कहा जा रहा है गुरुदेव हम गरीब आदमी हैं हमारे पास पैसा नहीं है। थानाध्यक्ष की ओर से मुकदमा लिखने की धमकी दी जा रही है। पीड़ित ने अपर पुलिस महानिदेशक गोरखपुर जोन को शिकायती पत्र भेज कर कार्रवाई की मांग की है। हालांकि, हिन्दुस्तान वायरल आडियो की सत्यता की पुष्टि नहीं करता है। मामला त्रिलोकपुर थाना क्षेत्र के बेंव मुस्तहकम गांव का बताया जा रहा है। शिकायतकर्ता गांव निवासी प्रदीप तिवारी ने एडीजीपी गोरखपुर जोन को भेजे अपने शिकायती पत्र में बताया है कि 15 फरवरी को हमारे लड़की की शादी थी। रात में बारात पहुंचने पर गांव के दबंगों द्वारा बारात की गाड़ी खड़ी करने पर विवाद करते हुए मेरे साथ परिवार के अन्य लोगों को भी मारा पीटा। इसकी सूचना 112 पर दी। मौके पर पीआरबी टीम व थानाध यक्ष की ओर से भेजे गए एसआई, पुलिस मामला शांत करा कर चले गए। रात करीब तीन बजे विवाह के दौरान लड़की का राक्ष घूमने का रस्म पूरी करने के लिए विपक्षी के दरवाजे से होकर जाने के दौरान छत से ईंट,पत्थर,मारने लगे किसी तरह शादी सम्पन्न हुई तो अगले दिन विपक्षी की तहरीर पर हमें थाने से फोन आया कि आप थाने पर आइए नहीं तो मुकदमा दर्ज कर जेल भेज दूंगा।

शादी में व्यस्तता के कारण थाने जाने में लेट हुआ तो थानाध्यक्ष का फोन आया कि पैसा लाकर दे दो तो मामला रफा दफा कर देंगे, इसका आडियो प्रसारित हो रहा है। त्रिलोकपुर थानाध्यक्ष विजय शंकर सिंह ने बताया कि पैसे का लेनदेन जो ऑडियो वायरल हो रहा है वह हमने फोन करके कहा था कि दोनों पक्ष का जो नुकसान हुआ है वह आपस में बैठकर निपटा ले नहीं तो मुकदमा लिख दिया जाएगा।

# सीएमओ ने दिया साफ-सफाई व्यवस्था दुरुस्त रखने का निर्देश

**संवाददाता-सिद्धार्थनगर।** सीएमओ डॉ.आरके चौरसिया ने मंगलवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लोटन का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने जिम्मेदारों को साफ-सफाई व्यवस्था दुरुस्त रखने का निर्देश दिया। सीएमओ ने इमरजेंसी वार्ड, दवा वितरण काउंटर, वार रूम, नवजात शिशु रूम, लेबर रूम, पैथोलॉजी, उपस्थित पंजिका रजिस्ट्रर को देखा। लेबर रूम में पहुंच कर वहां मौजूद लोगों से अस्पताल में मिलने वाली सुविधाओं की जानकारी ली। निरीक्षण के बाद चल रहे सीएचओ मीटिंग का भी जायजा लिया। कैंपस में चल रहे नसबंदी कैंप का भी निरीक्षण किया। साथ ही हिदायत दी कि किसी भी तरह की शिकायत मिली तो कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने नवनिर्मित बाउंड्रीवॉल का निरीक्षण कर कहा कि गुणवत्ता में कमी नहीं होनी चाहिए। निरीक्षण के दौरान अधीक्षक डॉ.अमित कुमार चौध री,डॉ. मनीष जायसवाल, डॉ. धीरेन्द्र चौधरी, रमाकांत चतुर्वेदी, आवेश श्रीवास्तव, सत्य प्रकाश चौधरी, राजेश पाण्डेय, संतोष जायसवाल, विवेक द्विवेदी,अजीज अहमद, सुधीर आदि मौजूद रहे।

# सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाएं होली का त्योहार

**संवाददाता-सिद्धार्थनगर।** हिन्दुस्तान टीम डीएम डॉ.राजा गणपति आर पीस कमेटी की बैठक में सभी से शांति एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में होली का त्योहार मनाने की अपील की है। डीएम ने कहा कि किसी भी प्रकार की समस्या होने पर तत्काल जिला प्रशासन को बताएं। डीएम ने सभी एसडीएम व सीओ को निर्देश दिया कि होली का त्योहार शांति व सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाने के लिए अपने स्तर से सभी तैयारियां पूरी कर लें। इसमें कोई भी समस्या किसी भी दशा में उत्पन्न नहीं होनी चाहिए। उन्होंने नगर निकायों के अधिशासी अधिकारी व जिला पंचायत राज अधिकारी को निर्देश दिया कि शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों की सफाई व्यवस्था के लिए जितने सफाई कर्मचारी हैं उन्हें लगाकर सफाई व्यवस्था सुनिश्चित कराएं। उन्होंने जिलेवासियों से अपील की कि जिसे रंग खेलना नहीं पसंद है उसे रंग न लगाएं।

# क्षत्रिय बोर्डिंग हाउस पर नगर निगम की टीम का छापा, 18.24 लाख का टैक्स बकाया

**संवाददाता-अयोध्या।** अयोध या नगर निगम ने टैक्स के बड़े बकायेदारों के खिलाफ मंगलवार को दूसरे दिन भी विशेष अभियान चलाया। इस कड़ी में फतेहगंज-देवकाली रोड पर स्थित क्षत्रिय बोर्डिंग हाउस पर सहायक नगर आयुक्त गुरु प्रसाद पांडेय के नेतृत्व में प्रवर्तन दल ने छापा मारा।

क्षत्रिय बोर्डिंग के स्वामित्व वाली 24 दुकानों पर हाउस व वाटर टैक्स का 18.24 लाख रुपये बकाया है। सहायक नगर आयुक्त गुरु प्रसाद पांडेय ने बताया कि छापेमारी के बाद सभी 24 दुकानों के मालिक टैक्स जमा कर रहे हैं। कुछ ऐसे भी दुकान के मालिक हैं जो पार्ट पेमेंट जमा कर रहे हैं।

बकाया धनराशि जल्द से जल्द जमा करने की चेतावनी दी गई है। नगर निगम निगम क्षेत्र के सभी टैक्स के बड़े बकायेदारो को नोटिस जारी की गई है। जिन लोगों ने टैक्स जमा नहीं किया है, उनकी प्रॉपर्टी अटैच करने के लिए नगर निगम कार्रवाई कर रहा है।

# कारागार में गूंजी कान्हा की किलकारी जयकारों से गूंज उठा पंडाल

**संवाददाता-सिद्धार्थनगर।** भनवापुर क्षेत्र के महादेव गजपुर गांव में चल रहे नौ दिवसीय शतचंडी महायज्ञ में चल रही रासलीला के दूसरे दिन सोमवार की रात वृंदावन से आए बाल कलाकारों ने प्रभु श्रीकृ ष्ण जन्म का मनमोहक मंचन किया। इसे देखकर दर्शक भाव विभोर हो गए और पूरा पंडाल प्रभु श्रीकृष्ण के जयकारों से गूंज उठा। कलाकारों ने कंस और देवकी के विवाह से रासलीला की शुरुआत की। कंस जब देवकी को विदा कराने जा रहा था तभी आकाशवाणी ने उसे चेताया। आकाशवाणी में कहा गया कि देवकी का आठवां पुत्र उसका काल बनेगा। इससे क्रोधित कंस ने देवकी और वसुदेव को कारागार में बंद कर दिया। कंस ने देवकी के लगातार सात बच्चों की हत्या कर दी। आठवें गर्भ में जब श्रीकृष्ण का जन्म हुआ, वसुदेव ने चतुराई से उन्हें गोकुल में नंद के घर पहुंचा दिया। वहां से एक नवजात कन्या को लाकर कारागार में रख दिया।

जब कंस को कन्या के जन्म की खबर मिली तो वह उसे मारने पहुंचा लेकिन कन्या उसके हाथों से छूटकर आकाश में उड़ गई। उसने कंस को चेतावनी दी कि उसका काल गोकुल में जन्म ले चुका है। यह सुनकर कंस विचलित हो गया। कार्यक्रम में आचार्य दुर्गेश शुक्ल, जगराम यादव, श्याम सुंदर पांडेय, बुद्धिराम विश्वकर्मा, राजेंद्र, जग्गीलाल आदि मौजूद रहे।

# अधिवक्ता संशोधन बिल के विरोध में वकीलों का प्रदर्शन

**संवाददाता-सिद्धार्थनगर।** अधि ावक्ता संशोधन बिल-2025 को वापस लेने की मांग को लेकर अधिवक्ता पिछले कई दिनों से आंदोलन कर रहे हैं। मंगलवार को न्यायालय से प्रदर्शन करते हुए रजिस्ट्री कार्यालय पहुंच और वहां पर काफी देर तक प्रदर्शन करते रहे। उनका कहना है कि जब तक अधिवक्ता संशोधन बिल-2025 वापस नहीं हो जाता है वह विरोध जारी रखेंगे। सिविल सिद्धार्थ बार एसोसिएशन के बैनर तले प्रदर्शन व रजिस्ट्री कार्यालय का घेराव करने के दौरान अध्यक्ष इंदु कुमार सिंह एडवोकेट ने कहा कि अधिवक्ता संशोधन बिल-2025 अधिवक्ताओं के अधिकारों पर कुठाराघात है। इससे अधिवक्ताओं का कल्याण नहीं उनका नुकसान होगा। उन्होंने कहा कि सरकार ने संशोधन बिल अपने मन से लाकर अधिवक्ताओं की भावनाओं को ठेस पहुंचाई है। लगातार विरोध प्रदर्शन हो रहा है।

# अयोध्या में उमड़े लाखों लोग, भोले बाबा को लगी हल्दी

**संवाददाता-अयोध्या।** हर हर महादेव... के उद्घोष के साथ बुधवार को रामनगरी में महाशिवरात्रि का उल्लास बिखरेगा। इसके लिए शिवालयों को भव्यता प्रदान की गई है। आसपास के जिलों से बड़ी संख्या में शिवभक्त अयोध्या पहुंचकर शिव मंदिरों में भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक, दुग्धाभिषेक, पूजन-अर्चन कर अपनी आस्था अर्पित करेंगे। मंगलवार को रामनगरी में भक्तों का रेला उमड़ पड़ा है। महाशिवरात्रि पर 15 लाख श्रद्धालुओं के उमड़ने की संभावना है। वहीं भोले बाबा को मंगलवार को हल्दी लगाई गई, बुध ावार को भव्य बरात निकलेगी।

मंगलवार को करीब आठ लाख श्रद्धालुओं दर्शन पूजन किया। राम मंदिर में दर्शन के लिए भक्तों की कतार लगी रही। सुबह पांच बजे से ही मंदिर में दर्शन शुरु हो गया। करीब तीन लाख लोगों ने रामलला के दरबार में हाजिरी लगाई। हनुमानगढ़ी में श्रद्धालुओं की डेढ़ किलोमीटर लंबी लाइन लगी रही।

महाशिवरात्रि पर राम की पैड़ी पर स्थित प्राचीन नागेश्वरनाथ मंदिर सुबह तीन बजे से ही खोल दिया जाएगा। मंदिर के व्यवस्थापक सभापति तिवारी ने बताया कि मंगलवार को भोलेनाथ का भव्य श्रृंगार किया गया। विवाह के अन्य लोकाचार पूरे किए गए। बुधवार रात मंदिर से भव्य शिव बरात निकलेगी। इस बरात का क्षीरेश्वरनाथ मंदिर पर स्वागत किया जाएगा। रात में भगवान भोलेनाथ का धूमधाम से विवाह होगा। वहीं मंगलवार को भीड़ बढ़ी तो बंदिशें पहले की तरह कर दी गई। जो कट सोमवार को खोले गए थे मंगलवार को उन्हें फिर बंद कर दिया गया। रामपथ को पूरी तरीके से सील कर दिया गया है। राम पथ पर श्रद्धालुओं के अलावा किसी को आने जाने की अनुमति नहीं है। अयोध्या धाम में चार पहिया वाहनों का प्रवेश पूरी तरीके से प्रतिबंधित कर दिया गया है। सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं, सीसीटीवी व ड्रोन कैमरा से मेला क्षेत्र की निगरानी की जा रही है। कपिलगंज बाजार भी मंगलवार को फिर बंद हो गई। इस तरफ जाने वाले मार्ग पर फिर बैरिकेडिंग कर दी गई है।

# महाशिवरात्रि पर सुरक्षा, सुविधा और स्वच्छता पर दें विशेष ध्यान -सीएम योगी

**संवाददाता-गोरखपुर।** महाशिवरात्रि की पूर्व संध्या पर मंगलवार शाम गोरखपुर पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधि ाकारियों को निर्देशित किया कि महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर सुरक्षा, सुविधा और स्वच्छता पर विशेष ध यान दिया जाए। सुरक्षा के एहसास के साथ किसी भी श्रद्धालु को कहीं असुविधा नहीं होनी चाहिए। साथ ही सभी शिवालयों और उनके आसपास के क्षेत्र में स्वच्छता में कोई कोताही नहीं होनी चाहिए।

गोरखनाथ मंदिर के बैठक कक्ष में अधिकारियों के साथ बैठक में सीएम योगी ने कहा कि महाशिवरात्रि देवाधिदेव महादेव की उपासना का महापर्व है। इस महापर्व पर गांव से लेकर शहर तक के सभी शिवालयों पर शिवभक्तों की भारी भीड़ उमड़ती है। ऐसे में उनकी आस्था का सम्मान करते हुए उनकी सुरक्षा, सुविधा और सहूलियत के लिए विशेष प्रबंध किए जाने चाहिए। सुरक्षा के साथ बड़े शिवालयों के आसपास यातायात प्रबंध ान पर भी ध्यान देने की जरूरत होगी। मुख्यमंत्री ने पुलिस अफसरों को निर्देशित किया कि महाशिवरात्रि पर शिवभक्तों की सुरक्षा और यातायात व्यवस्था सुचारू रखने के लिए पर्याप्त संख्या में पुलिस बल और यातायात पुलिस की तैनाती की जाएगी। शहर से लेकर देहात तक के शिवालयों में महिलाओं की सुरक्षा के लिए विशेष व्यवस्था बनाई जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि महाशिवरात्रि पर शिवालयों के सामने काफी अस्थायी दुकानें लगती हैं। यह ध्यान रखना होगा कि किसी का कारोबार प्रभावित न हो लेकिन यह भी सुनिश्चित करने की जरूरत है कि अस्थायी दुकानें इतनी दूरी पर रहें जिससे श्रद्धालुओं को मंदिरों में जाने में दिक्कत न हो। सीएम योगी ने गोरखपुर महानगर क्षेत्र के शिवालयों के आसपास साफ सफाई कराने के लिए नगर निगम, कस्बों में नगर पंचायतों और गांवों के शिवालयों के आसपास सफाई के लिए क्षेत्र और ग्राम पंचायतों की जवाबदेही तय करने के निर्देश दिए।

बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने विकास कार्यों और कानून व्यवस्था की भी समीक्षा की। उन्होंने निर्माणाध ाीन विकास परियोजनाओं को गुणवत्ता के साथ तय समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर एडीजी डॉ. केएस प्रताप, मंडलायुक्त अनिल ढींगरा, डीआईजी आंनद कुलकर्णी, जिलाधिकारी कृ ष्णा करुणेश, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. गौरव ग्रोवर, नगर आयुक्त गौरव सिंह सोगरवाल, गीडा की सीईओ अनुज मलिक, जीडीए के उपाध्यक्ष आनंदवर्द्धन आदि उपस्थित रहे।

## अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब

(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)

न्यायालय-श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद महोदय बस्ती जिला-बस्ती

मूलवाद सं0-267/2024

उदयभान

बनाम

लक्ष्मी प्रसाद

1. लक्ष्मी प्रसाद उम्र लगभग 50 साल पुत्र अशरफी मौजा पचारीकला हाल मुकाम पचारीखुर्द तप्पा रूधौली परगना मगहर पश्चिम तहसील रूधौली जिला-बस्ती

**तारीख पेशी 03-03-2025**

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 03 माह 03 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

-द0 हाकिम

## अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब

(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)

न्यायालय-श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद महोदय बस्ती जिला-बस्ती

मूलवाद सं0-565/2022

प्रेममती आदि

बनाम

सर्वेश कुमार आदि

1. सर्वेश कुमार 2. बृजेश कुमार पुत्रगण राजबहादुर निवासीगण ग्राम उमरी अहरा तप्पा कोरऊ परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती 3. राज बहादुर पुत्र स्व0 लालमन निवासीगण ग्राम उमरी अहरा तप्पा कोरऊ परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती

**तारीख पेशी 04-03-2025**

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 04 माह 03 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

-द0 हाकिम

## अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब

(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)

न्यायालय-श्रीमान नवम् अति0 सिविल जज (जू0डि0) महोदय बस्ती जिला-बस्ती

मूलवाद सं0-193/2013

अयोध्या प्रसाद

बनाम

गया प्रसाद आदि

1. राहुल उम्र 21 साल 2. हीरा लाल उम्र 45 वर्ष पुत्रगण गया प्रसाद 3. फूलमती उम्र 70 साल पत्नी गया प्रसाद निवासीगण ग्राम मंझरिया तप्पा खुरियार परगना नगर पश्चिम तहसील हर्रैया जिला-बस्ती

**तारीख पेशी 11-03-2025**

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 11 माह 03 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

-द0 हाकिम

# टीकाकरण स्थल पर सीएचओ के न होने पर मांगा स्पष्टीकरण

**संवाददाता-सिद्धार्थनगर।** डीएम डॉ. राजा गणपति आर ने मंगलवार को नौगढ़ क्षेत्र के पंचायत भवन महदेवा खुर्द पर आयोजित बीएचएनडी दिवस का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान टीकाकरण स्थल पर सीएचओ के न होने पर स्पष्टीकरण तलब किया है। डीएम ने टीकारण स्थल पर पहुंच कर गर्भवती महिलाओं की सभी प्रकार की जांच के बारे में जानकारी ली। उन्होंने ड्यू लिस्ट, एचआरपी रजिस्टर देखा। साथ ही गर्भवती महिलाओं की होनी वाली जांच से संबंधित रजिस्टर को भी देखा। मौके पर सीएचओ के उपस्थित न रहने पर नोटिस जारी करने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान आंगनबाड़ी कार्यकत्री सैम मैम बच्चों के बारे में कोई जानकारी नहीं दे पाई।

दैनिक
भारतीय बस्ती

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1-4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक स्व0 दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक-दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक-प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या-फैजाबाद कार्यालय-
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या-फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय-
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय-
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेल bhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com